



►► लखनऊ (उत्तर प्रदेश)- 198 अंक (रैंक 1)

►► इंदौर (मध्य प्रदेश)- 197 अंक
(रैंक 2)

►► जबलपुर (मध्य प्रदेश)- 195 अंक
(रैंक 3)

►► भोपाल (मध्य प्रदेश) / आगरा (उत्तर प्रदेश)-
192 अंक (संयुक्त रूप से रैंक 4)

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ नंबर-1, इंदौर दूसरे पायदान पर
मप्र के तीन शहर टॉप-5 में, जबलपुर तीसरे
भोपाल-आगरा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर



3 से 10 लाख आबादी में राज्यकेला अव्वल

3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश का उज्जैन 181.5 अंकों के साथ 13वें, सागर 178 अंकों के साथ 18वीं और म्वालिपर 157 अंकों के साथ 30वें स्थान पर रहा। छत्तीसगढ़ का कोरबा 186.5 अंकों के साथ 10वें स्थान पर रहा।

मप्र का देवास टॉप-10 में: 3 लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में कलिंग नगर 198.5 अंकों के साथ पहले, अंगुल 196.5 अंकों के साथ दूसरे, तालचेंबर 193.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। देवास 188 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहा।

नगर निगम के विभिन्न विभागों के साझा प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्ध महज रैंकिंग नहीं, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण को दिशा में जबलपुर की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए नगर निगम द्वारा मैकेनिकल स्वीपिंग, नियमित स्प्रींकलिंग, धूल नियंत्रण, व्यापक पौधारोपण, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन तथा खुले में कचरा और सूखी पतियां जलाने पर प्रतिबंध जैसे प्रभावी कदम उठाए गए। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों और ई-रिक्शा को बढ़ावा देकर प्रदूषण कम करने के प्रयास किए गए। इन प्रयासों से शहर की आबोहवा में उल्लेखनीय सुधार हुआ। इस सफलता में नगर निगम के लोककर्म, उद्यान, वर्कशॉप, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही। सम्मान समारोह में अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रौवास्त्व, उपयुक्त सभाय आयची, कार्यपालन यंत्री जी.एस. मरावी एवं निज सहायक आनंद सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



टोस अपशिष्ट प्रबंधन समेत अन्य मानकों का असर

भोपाल में एक्यूआई में 6 फीसदी सुधार फिर भी स्वच्छ वायु रैंकिंग में फिसला

भोपाल को कुल 200 में से 192 अंक मिले, जबकि इंदौर ने 197 और जबलपुर ने 195 अंक हासिल किए। भोपाल की रैंकिंग कम रहने के पीछे वायु गुणवत्ता के अलावा अन्य मानकों की भी भूमिका रही। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी नीतेश चौरसिया के अनुसार, भोपाल के एयर क्वालिटी इंडेक्स (एय्क्यूआई) में पिछले साल की तुलना में करीब 6 प्रतिशत

सुधार हुआ है। इसके बावजूद ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित अन्य मानकों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने के कारण रैंकिंग प्रभावित हुई होगी। उन्होंने बताया कि भोपाल में उद्योगों की शिफ्टिंग समेत वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई सुधार कार्य किए गए हैं। इन प्रयासों का असर शहर के एक्वआईर प्रो बिछाई दिखा है। बोर्ड की ओर से रैंकिंग के लिए पांच नंबर के दावे किए गए थे,

मुख्यमंत्री की यूएई के इकोनॉमी और पर्यटन मंत्री के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक

मप्र में होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 'निवेश' करेगा यूएई



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुर्गई स्थित अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्रालय में यूएफ़ कैबिनेट सदस्य एवं अर्थव्यवस्था और पर्यटन मंत्री एचई अब्दुल्ला बिन तौक अल मंत्री के साथ बैठक को। इस दौरान उन्होंने एचई अल मंत्री को मप्र में आयोजित होने वाली आगामी 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' (जीआईएए) में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। एचई अब्दुल्ला बिन तौक अल मंत्री ने आश्चर्य किया कि होटल एवं हॉस्पिटैलिटी इंडेस्ट्री के क्षेत्र में संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए दुर्गई से एक विशेष प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही मप्र का दौरा करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने दुर्गई दौरे के दूसरे दिन सोमवार को दुर्गई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया भर के निवेशकों को मप्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने यूआई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री एचई अब्दुल्ला बिन तौक अल मर्री से मद्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा



जिआईएस के लिए मुख्यमंत्री ने दिया औपचारिक निमंत्रण

**मरीं ने होटल व
हॉस्पिटैलिटी सेक्टर
में निवेश दल
भेजने पर सहमति**

प्रमुख क्षेत्रों में निवेश और नीतिगत सहयोग पर गहन चर्चा

उच्च स्तरीय वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के मध्य खनन (मार्निंग), टेम्पस्टाक्ष, वन (फॉरेस्ट) एवं पर्वटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में साइलेंस को लेकर विस्तृत वार्ता-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने मप्र सरकार की पारदर्शी नीतियों, भूमि स्वामित्व नियमों, श्रम सुधारों और विदेशी निवेशकों के लिए उपलब्ध सुसुझा तंत्र (प्रोटेक्शन मैकेनिज्म) से अवगत कराया। उन्होंने राज्य में पहले से सज्जित यूएई कंपनियों के सकारात्मक अनुभवों को साझा करते हुए नए निवेशकों के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण की प्रतिबद्धता दोहराई।

एविंशन् कनेक्टिविटी और ऑपरेशन्स में सहयोग पर भरोसा: बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की नई एविंशन् पॉलिसी के प्रमुख प्राधान्यों को रेखांकित किया। एचई अब्दुल्ला बिन तौक अल मरी, जो यूएई की जनरल सिल्विल एविंशन् अथॉरिटी के चेयरमैन भी हैं, ने एविंशन् एविंशन् के चयन के रूप में भरोसा दिलाया कि वह मग्न और यूएई के मध्य एविंशन् ऑपरेशन्स के विस्तार में पूरा सहयोग करेंगे। इस कदम से दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन, कॉर्पोरेट और व्यापारिक आवागमन को उत्तेजनीय गति मिलेगी।

बंदा क्षेत्र में अमानक शराब से मौतों का सिलसिला जारी

सागर में जहरीली शराब से 22 मौतों का दावा, 112 अस्पताल में भर्ती



30 लोगों पर एफआईआर, 10 गिरफ्तार

पुलिस ने शराब बिक्री और सप्लाय से जुड़े जुझार लोधी, दिनेश सिंह, सौरभ लोधी, गोविंद लोधी, मनोहर लोधी, यशवंत ठाकुर, मनीष लोधी, आशीष साहू, आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रोहित, माखन, अनिकेत गंधर्व, विशाल लोधी, मंगल रजक और राजा सिंह समेत 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इनमें से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

20 रुपए सस्ती शराब का दावा

बदा थाये में दर्ज एकआईआर के अनुसार, अनुप सिंह लोधी अपने भतीजे रुकन के साथ जुझार लोधी की दोफार पर गया था। वहां जुझार ने बताया कि लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और आशीष भट्टा के जरिए नया सस्ता ब्रांड सजा गया है। उसने शराब सामान्य कीमत से 20 रुपए सस्ती मिलने की बात कही। अनुप ने शराब पीने से इनकार किया, जबकि राजेंद्र ने यह आशंका जताई कि कहीं शराब नकली या जहरीली तो नहीं है।





जय प्रकाश पांडेय
कक्षा 10, काडदस राजन पब्लिक स्कूल,
सिंगदोली, मध्य प्रदेश



गौरांगिनी शर्मा
कक्षा 8, विद्यादायिनी
सेकेंडरी स्कूल, खण्डहर, सवाई माधोपुर,
राजस्थान



आयशा
कक्षा 5, कर्म भूमि
विंग स्कूल, महेंद्रगढ़, हरियाणा



रुश्म जैन
कक्षा 7, सेंट पायस स्कूल,
इंदोपुर, मध्य प्रदेश



MITTSURE OLYMPIAD MASTERS

NASA EDUCATIONAL TRIP WINNERS

देशभर के स्कूलों की प्रतिभाओं को मिली राष्ट्रीय पहचान



विज्ञान

राष्ट्रीय स्तर

टैंक 1

कक्षा - 1

आतना
आर्य वैदिक पब्लिक स्कूल,
सोदल दिल्ली, दिल्ली

कक्षा - 2

आकर्ष मलिक
एम आर एल एकेडमी,
सह्यायपुर, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 3

गदिमा चक्रवर्ती
सामराइन पब्लिक स्कूल,
झांसी, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 4

हेतुंश आर, नकवाना
होरी फैमिली इन्स्टिट्यूट,
मोहियम स्कूल,
आवन्गढ़, गुजरात

कक्षा - 5

कार्तिक
आर.पी.ए. पब्लिक स्कूल,
हटदी, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 6

श्रेया सोनी
सतगुरु पब्लिक हायर
सेकेंडरी स्कूल,
हाइडोल, मध्य प्रदेश

कक्षा - 7

अर्पिता
मि हसवाहिनी
पब्लिक स्कूल,
अदोही, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 8

गौरांगिनी शर्मा
विद्यादायिनी सेकेंडरी स्कूल,
सवाई माधोपुर, राजस्थान

कक्षा - 9

ज्वेल सिंगे पालियाकारा
होरी फैमिली इन्स्टिट्यूट,
मोहियम स्कूल,
आवन्गढ़, गुजरात

कक्षा - 10

जय प्रकाश पांडेय
काडदस राजन पब्लिक स्कूल,
सिंगदोली, मध्य प्रदेश

टैंक 2

कक्षा - 1

आयशा पटवीन
पेरमोडिफाईड
इंटरनेशनल स्कूल,
पटना, बिहार

कक्षा - 2

दिया सोनी
गुरुकुल कॉन्वेंट
एजुकेशनल स्कूल,
राजसमंद, राजस्थान

कक्षा - 3

अनिका रानी
हिमालयन एकेडमी,
साहिबगंज, झारखंड

कक्षा - 4

मुनीर अकर
लिटिल एंगेल बेबी स्कूल,
मुजफ्फरपुर, बिहार

कक्षा - 5

सलमा खान
माइक एडवेंचर
इंग्लिश स्कूल,
वलसाह, गुजरात

कक्षा - 6

विवेक सिन्हा
विश्व ओपन माइंड
इंटरनेशनल स्कूल,
मुंगेर, बिहार

कक्षा - 7

जय श्री बुंदेला
डीम किंग्डम स्कूल,
पन्ना, मध्य प्रदेश

कक्षा - 8

मयंक जांगिड़
विद्या भारती इंग्लिश स्कूल,
सवाई माधोपुर, राजस्थान

कक्षा - 9

मुनित साहू
भारत विद्यालय
पब्लिक हाई स्कूल,
छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश

कक्षा - 10

प्रियांशु कुमार
एम.बी.एम. पब्लिक स्कूल,
करीदाबाद, हरियाणा

टैंक 3

कक्षा - 1

अहयान अमान
पेरमोडिफाईड
इंटरनेशनल स्कूल,
पटना, बिहार

कक्षा - 2

दिवा इमरान नेहरी
अहमद पब्लिक स्कूल,
कोल्हापुर, महाराष्ट्र

कक्षा - 3

अंशुवी सिंह
बी.एस.आर.डी. पब्लिक स्कूल,
फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 4

प्रिया यादव
न्यू ग्रीन फील्ड
हाई स्कूल,
इतरान, मध्य प्रदेश

कक्षा - 5

माधव तुहानिया
बी जीनियस स्कूल,
धुल, राजस्थान

कक्षा - 6

आरती
सोवेंटर एडवेंचर,
इंटरनेशनल स्कूल,
कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 7

आराध्या हाके
शंकरदास चव्हाण
इंटरनेशनल स्कूल,
मोरेड, महाराष्ट्र

कक्षा - 8

रासी कुमारी
हिमालयन एकेडमी,
साहिबगंज, झारखंड

कक्षा - 9

नवील अब्दुल रऊफ
सेंट मैरीज स्कूल,
तुमकुल, कर्नाटक

कक्षा - 10

आदर्श पांडे
सेंट वेनेडिक्ट एकेडमी,
भोपाल, मध्य प्रदेश



गणित

राष्ट्रीय स्तर

टैंक 1

कक्षा - 1

सौरभ एस. चौहान
सेंट वेनेडिक्ट एकेडमी,
भोपाल, मध्य प्रदेश

कक्षा - 2

आकर्ष मलिक
एम आर एल एकेडमी,
सह्यायपुर, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 3

महियाली हाजी नईम मुल्का
अहमद पब्लिक स्कूल,
कोल्हापुर, महाराष्ट्र

कक्षा - 4

आयुषी वर्मा
आदर्श सेटवर्क शिक्षा
निकेतन,
सीतापुर, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 5

आयशा
कर्म भूमि विंग स्कूल,
महेंद्रगढ़, हरियाणा

कक्षा - 6

लक्ष्म
संस्कार इंटरनेशनल
स्कूल, आगरा, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 7

रुश्म जैन
सेंट पायस स्कूल,
इंदोपुर, मध्य प्रदेश

कक्षा - 8

आकांक्षा निशा
आर.के.सी. पब्लिक स्कूल,
सहरी, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 9

प्रदीप्ता हाजरा
मेगना ग्लोबल स्कूल,
पूर्व बर्मान, पश्चिम बंगाल

कक्षा - 10

ए. शिवराज
सेंट मैरीज स्कूल,
तुमकुल, कर्नाटक

टैंक 2

कक्षा - 1

आयशा अनवर
न्यू प्रोसेसिव एजुकेशन
पब्लिक स्कूल,
भोपाल, मध्य प्रदेश

कक्षा - 2

कुशिल राठौर
वेदांत विद्यालय,
मंदसौर, मध्य प्रदेश

कक्षा - 3

असर्व पुरिहार
न्यू हटाकेशन
पब्लिक स्कूल,
सोदल दिल्ली, दिल्ली

कक्षा - 4

अर्णव शर्मा
गुरुकुल विद्यापीठ,
नवलखिंद, मध्य प्रदेश

कक्षा - 5

जोया जैन
जैन गंगा
आदर्श विद्यालय,
रायगढ़, छत्तीसगढ़

कक्षा - 6

जीत वसीक मेहरी
लिटिल एंगेल बेबी स्कूल,
मुजफ्फरपुर, बिहार

कक्षा - 7

नेहा कुमारी
विद्या निकेतन,
औरंगाबाद, बिहार

कक्षा - 8

रोहित कुमार
एम.आर. पब्लिक स्कूल,
पटना, बिहार

कक्षा - 9

राठीष्ट एस. नाथुभाई
देवमि हाइस्कूल,
गुजरात

कक्षा - 10

अंकुश कुमार
ए.बी.पी. एकेडमी,
रोहा, राजस्थान

टैंक 3

कक्षा - 1

अंकुश कुमार
जीवन दीप पब्लिक स्कूल,
जालंधर, बिहार

कक्षा - 2

नय्या शर्मा
दिल्ली पब्लिक स्कूल,
कोरठमा, झारखंड

कक्षा - 3

परी कुमारी
हिमालयन एकेडमी,
साहिबगंज, झारखंड

कक्षा - 4

दिशा
इमरानगढ़ हाइस्कूल,
सेकेंडरी स्कूल,
बीकानेर, राजस्थान

कक्षा - 5

कनिष्का बेवा
किड्स जैन पब्लिक
सवाई माधोपुर, राजस्थान

कक्षा - 6

फेलिक्स जोसेफ वेन्
होरी फैमिली इन्स्टिट्यूट,
मोहियम स्कूल,
आवन्गढ़, गुजरात

कक्षा - 7

आराध्या हाके
शंकरदास चव्हाण
इंटरनेशनल स्कूल,
मोरेड, महाराष्ट्र

कक्षा - 8

ईशांक चवेल
बी विद्यालय
लार्मी इंटर कॉलेज,
अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 9

प्राची
संस्कार इंटरनेशनल
स्कूल,
आगरा, उत्तर प्रदेश

कक्षा - 10

अयान जमीर खान पठान
सेंट सेबेस्टियन माध्याम,
यवतमान, महाराष्ट्र



विज्ञान

राज्य स्तरीय - मध्य प्रदेश

टैंक 1

कक्षा-1

आर्यन कटारिया, सेंट जेवियर स्कूल, उमरिया

कक्षा-2

विजय विष्णुनारायण, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-3

आर्यन शर्मा, किंगडम एफएल स्टेप स्कूल, मुंदेरा

कक्षा-4

प्रिया यादव, न्यू जीन फील्ड हाई स्कूल, इतरान

कक्षा-5

अमन हल्दकर, ग्रेस मिशन स्कूल, कटनी

कक्षा-6

श्रेया सोनी, सतगुरु पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, हाइडोल

कक्षा-7

जय श्री बुंदेला, डीम किंग्डम स्कूल, पन्ना

कक्षा-8

याशिका सोनी, सचीन मैट्री हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल

कक्षा-9

मुनित साहू, भारत विद्यालय पब्लिक हाई स्कूल, छिंदवाड़ा

कक्षा-10

जयप्रकाश पांडेय, काडदस राजन पब्लिक स्कूल, सिंगदोली

टैंक 2

कक्षा-1

कुमारि शर्मा, ग्रेस मिशन स्कूल, कटनी

कक्षा-2

पुष्पक सिंह, सतगुरु, द किंग्स एकेडमी, इतरान

कक्षा-3

अनिका गुप्ता, सेंट पायस स्कूल, इंदोपुर

कक्षा-4

शिविका पात्र, सीताराम सेंटरल स्कूल, भिंड

कक्षा-5

सिद्ध, सेंट पायस स्कूल, इंदोपुर

कक्षा-6

काव्या चौधरी, सेंट पायस स्कूल, इंदोपुर

कक्षा-7

आराध्या भारी, विजय ज्योति एकेडमी, देवास

कक्षा-8

सादगी टेकर, प्रजा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, राजगढ़

कक्षा-9

अनन्या सुक्ला, होरी रोशनी स्कूल, इंदौर

कक्षा-10

आदर्श पांडेय, सेंट वेनेडिक्ट एकेडमी, भोपाल

टैंक 3

कक्षा-1

शिविका गुप्ता, किंगडम एफएल स्टेप स्कूल, मुंदेरा

कक्षा-2

सुभास तिवारी, ग्रेस मिशन स्कूल, कटनी

कक्षा-3

कामरान अलामी, लिटिल एंगेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अनूपपुर

कक्षा-4

विद्या जयराव, सेंट वेनेडिक्ट एकेडमी, भोपाल

कक्षा-5

मिहिर माधुति बंसल, सेंट फ्रांसिस डी सेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बीकानेर

कक्षा-6

अनन्या गुप्ता, प्रजा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, राजगढ़

कक्षा-7

मुनिका सिंग, न्यू ग्रीन फील्ड हाई स्कूल, इतरान

कक्षा-8

काव्या अलामी, ग्रेस मिशन स्कूल, कटनी

कक्षा-9

अनन्या सोहि, न्यू प्रोसेसिव एजुकेशन पब्लिक स्कूल, भोपाल

कक्षा-10

शिविका कुलशर्मा, सीताराम सेंटरल स्कूल, भिंड



गणित

राज्य स्तरीय - मध्य प्रदेश

टैंक 1

कक्षा-1

सौरभ सेतोष चव्हाण, सेंट वेनेडिक्ट एकेडमी, भोपाल

कक्षा-2

कुशिल राठौर, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-3

अनिका गुप्ता, सेंट पायस स्कूल, इंदोपुर

कक्षा-4

अर्णव शर्मा, गुरुकुल विद्यापीठ, नवलखिंद

कक्षा-5

अक्षित प्रसाद महाद, सेंट जेवियर स्कूल, उमरिया

कक्षा-6

अनन्या गुप्ता, प्रजा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, राजगढ़

कक्षा-7

रुश्म जैन, सेंट पायस स्कूल, इंदोपुर

कक्षा-8

नय्या सोनी, सतगुरु, सतगुरु विद्यापीठ हाई स्कूल, विदिशा

कक्षा-9

शिव कुमारी सोनी, काडदस राजन पब्लिक स्कूल, सिंगदोली

कक्षा-10

अनन्या सोहि, प्रजा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, राजगढ़

टैंक 2

कक्षा-1

आयशा अनवर, न्यू प्रोसेसिव एजुकेशन पब्लिक स्कूल, भोपाल

कक्षा-2

अमन शर्मा, किंगडम एफएल स्टेप स्कूल, मुंदेरा

कक्षा-3

प्रबल सेन, सेंट पायस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खंडवा

कक्षा-4

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-5

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-6

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-7

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-8

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-9

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-10

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

टैंक 3

कक्षा-1

हृदयिका, न्यू प्रोसेसिव एजुकेशन पब्लिक स्कूल, भोपाल

कक्षा-2

विजय विष्णुनारायण, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-3

अमन जैन, झारखंड एजुकेशनल स्कूल, धार

कक्षा-4

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-5

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-6

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-7

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-8

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-9

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर

कक्षा-10

अनन्या गुप्ता, वेदांत विद्यालय, मंदसौर



MITTSURE OLYMPIAD MASTERS 2026-27

कक्षा 1 से 12 तक

MOM 2026 में तीन नए विषय शामिल किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को प्रतिभागी प्रदर्शनों की तैयारी के लिए शुरूआत से ही बेहतर मार्गदर्शन मिल सके।
यह कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए है और विभिन्न विषयों में तीन स्तरों पर आयोजित किया जाता है।

Trusted by
2000+
schools &
1 Lakh+
students

कक्षा 1 से 10 तक

विज्ञान
गणित
अंग्रेजी
सांख्यिक ज्ञान एवं
बौद्धिक क्षमता

कक्षा 9 से 12 तक

रीजनिंग एवं
एप्लिकेटिव



www.mittsureolympiad.com

भारत का पहला पंचकोश विकास
आधारित OLYMPIAD



MITTSURE OLYMPIAD MASTERS

JUNIOR POWER QUEST
NURSERY | LKG | UKG

GENERAL AWARENESS

CO-CURRICULAR SKILLS

ART

MATHEMATICS

ENGLISH





Corporate Office: B-121 Mangal Marg,
Bapu Nagar, Jaipur | www.mittsure.com

To Register, Call on : 1800 8917070, 7374003601
Email: support@mittsure.com

जयपुर के
मोतीडूंगरी मंदिर में
गणेशोत्सव शुरू

एजेसी ►► जयपुर

यहां प्रथम पूज्य भगवान गणेश के सबसे बड़े उत्सवों में से एक मोतीडूंगरी गणेश मंदिर का गणेश चतुर्थी महोत्सव सोमवार से भक्ति और उल्लास के साथ शुरू हो गया। महिलाओं की कलश यात्रा के साथ 9 दिवसीय उत्सव का आगाज हुआ। अब 7 से 15 सितंबर तक मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में हर दिन गजानन का दरबार अलग रंग और अलग स्वरूप में नजर आएगा। 14 सितंबर को भगवान गणेश का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, जबकि 15 सितंबर को गणेशजी नगर भ्रमण पर निकलेंगे। शुभारंभ पर सोमवार सुबह महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और जलाभिषेक के साथ उत्सव की शुरुआत हुई। मंदिर में आने वाले दिनों में भगवान गणेश के लिए अलग-अलग झांकियां सजाई जाएंगी।

खबर संक्षेप

स्वतंत्र भारद्वाज की बड़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को खुद को ‘इन्फ्लुएंसर’ बताने वाले स्वतंत्र भारद्वाज को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने उसकी न्यायिक हिरासत को 14 दिन और बढ़ाने की मांग की थी। इससे पहले अदालत ने रविवार को भारद्वाज को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था।

अन्नपूर्णा कल वाराणसी में पोषण माह शुरू करेंगी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 9 सितंबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ करेगा। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी महीनेभर चलने वाले इस अभियान का शुभारंभ करेंगी। यह अभियान प्रधानमंत्री की योजना का एक बड़ा हिस्सा है।

चंडीगढ़ बॉर्डर पर किसानों का धरना समाप्त

चंडीगढ़। यहांप्रदर्शन कर रहे किसानों ने अपना धरना खत्म करने का ऐलान किया है। एक सितंबर से चंडीगढ़ बॉर्डर पर पक्का मोर्चा लगा कर किसान बैठे थे। सरकार के लिखित आश्वासन के बाद अपना धरना खत्म कर दिया है। सभी किसान अपने ट्रैक्टर लेकर मोर्चे से वापस जा रहे हैं। एसकेएम ने धरना की घोषणा की थी।

यूट्यूबर अजीत की अग्रिम जमानत खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने यूट्यूबर अजीत भारती की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। उनके खिलाफ एससी-एसटी अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया था। वकील ने कहा उनके मुकदमिल ने कोई जातिसूचक टिप्पणी नहीं की थी। परिवार पर उकसावे वाली बात का जवाब दिया था।

आयुर्वेद दिवस के राष्ट्रव्यापी अभियान

केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री जाधव ने दी जानकारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

यहां के राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में ‘11वें आयुर्वेद दिवस 2026’ की पूर्वावलोकन कार्यक्रम के साथ देशव्यापी अभियान की औपचारिक शुरुआत हुई। केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने पत्रकार वार्ता में कहा कि इस वर्ष आयुर्वेद दिवस का मुख्य समारोह 23 सितंबर को महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य विषय ‘स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद’ है, जो भारत की प्राचीन चिकित्सा विरासत को भविष्य की बदलती स्वास्थ्य-सेवा जरूरतों से जोड़ने के दृष्टिकोण को दर्शाता है। दुनिया तेजी से बीमारी से बचाव वाली स्वास्थ्य सेवा , सही पोषण, मानसिक संतुलन और समग्र कल्याण की ओर बढ़ रही है। ‘विकसित भारत’ के अनुरूप, उन्होंने एक ऐसे दृष्टिकोण पर बल दिया जहां स्वास्थ्य केवल इलाज तक सीमित न रहकर सही दिनचर्या और प्रकृति के साथ सामंजस्य का माध्यम बने।

‘स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद’ का नागपुर में 23 को होगा मुख्य समारोह

अभियान को 3मुख्य स्तंभों में विभाजित किया

इस वर्ष के अभियान को 3मुख्य स्तंभों में विभाजित किया गया है। एकीकृत स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान एवं नवाचार, और सामुदायिक कल्याण एवं टिकाऊ जीवनशैली। एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के तहत विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के सदुपयोग से बेहतर स्वास्थ्य परिणाम पर जोर दिया गया है।

महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा, हर दिन गजानन का दरबार अलग रंग स्वरूप में दिखेगा, 348 किलो पंचामृत और 3 हजार किलो घी के चढ़ेंगे मोदक!

आज पुष्य नक्षत्र में होगा अभिषेक

8 सितंबर को पुष्य नक्षत्र के विशेष संयोग पर भगवान गणेश का 348 किलो पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। इसमें 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी शामिल होगा। इसी दिन केले और छपन भोग की झांकी सजेगी। शाम 6 बजे ध्रुव गायन का आयोजन होगा।

तीसरे दिन मोदकों से सजेगा दरबार



13 को 3500 किलो मेहंदी लगेगी

गणेशोत्सव के तीसरे दिन मोदक झांकी खास आकर्षण होगी। इसके लिए करीब 3 हजार किलो घी, 3 हजार किलो बेसन, 9 हजार किलो शक्कर और 1000 किलो सूखे मेवों का इस्तेमाल किया जाएगा। 251-251 किलो के दो विशाल मोदक, 51-51 किलो के पांच, 21-21 किलो के 21 और 1.25 किलो के 1100 मोदक तैयार किए जाएंगे। सुबह 5 बजे से दर्शन होंगे और शाम 7 बजे श्रद्धालुओं को निशुल्क प्रसाद वितरित किया जाएगा। बाहर का प्रसाद नहीं चढ़ेगा।

13 सितंबर को सिंजारा उत्सव का रंग मोतीडूंगरी में नजर आएगा। इस दिन सोजत की करीब 3500 किलो मेहंदी से भगवान गणेश का सिंजारा किया जाएगा। रात 7:30 बजे पांच स्थानों से मेहंदी वितरित की जाएगी और महिलाओं व कन्याओं के लिए अलग काउंटर रहेगा।

ध्वनि प्रदूषण रोकने की पहल

लातूर पुलिस ने शुरू किया ‘नो डीजे, नो डॉल्बी’ अभियान

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में पुलिस ने आगामी गणेशोत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए गणेश मंडलों को डीजे, ‘डॉल्बी साउंड सिस्टम’ और तेज आवाज वाले अन्य ध्वनि उपकरणों का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया है। पुलिस अधीक्षक अमोल तांबे ने सोमवार को कहा कि ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाबा बागेश्वर ने बंगाल में कहा ‘कर दो बैन’

पंडाल के पीछे नॉन-वेज खाने वाले पाखंडी! कोलकाता। जन्माष्टमी के अवसर पर हनुमान कथा सुनाने के लिए बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 3 दिन के लिए पश्चिम



बंगाल के लिलुआ आए थे। मुख्य पुजारी धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने दुर्गा पूजा को लेकर कुछ ऐसा कहा जिसने राज्य में सियासी हलचल बढ़ा दी है। शास्त्री ने दुर्गा पूजा के दौरान दुर्गा प्रतिमा के आसपास मांसाहारी भोजन न बेचने की अपील की। उन्होंने बंगाल के हिंदुओं से नवरात्रि मनाने का भी आह्वान किया। धीरेन्द्र का कहना है कि दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन करने वाले ‘विधर्मी’ हैं। उन्होंने मांसाहारी भोजन छोड़ने का कारण बताया है। इन्हें बैन कर दो।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए अहम फैसले

वृद्धाश्रमों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं पर रिपोर्ट मांगी



एजेसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी राज्यों से वृद्धाश्रमों और वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में ताजा स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत 2016 में दायर एक लंबे समय से लंबित जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में बुजुर्गों के कल्याण और संरक्षण के लिए उठाए गए उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की गई तथा वी. मोहना की पीठ ने डॉ. अश्विनी कुमार द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

मामले को उच्च न्यायालयों में ट्रांसफर करेंगे

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शीर्ष अदालत व्यापक सिद्धांत तय कर सकती है, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालयों से कहा जा सकता है।

अरावली व्याख्या पर मड़के सीजेआई

मेरे रिटायरमेंट का इंतजार है क्या?

अरावली पहाड़ियों की परिभाषा और उनके संरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हाई-पावर्ड कमेटी को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने कमेटी की रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा फरवरी 2027 तक बढ़ाने की मांग खारिज कर दी। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने कमेटी को अब 30 नवंबर तक अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। सीजेआई ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कमेटी ने मूल रूप से मेरे रिटायरमेंट तक मामले को टालने के लिए समय मांगा है।

बैंक ने खो दिए प्रॉपर्टी के असली दस्तावेज हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने 5000 रुपए प्रतिदिन का लगाया जुर्माना

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इन वोग क्रिएशन्स बनाम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई को पीड़ित फर्म को रोजाना 5,000 रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। बैंक से पेपर गुम हो गए थे।

अवैध हिरासत पर 2 लाख मुआवजा ठोका

बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को अवैध हिरासत के मामले में 26 वर्षीय युवक को 2 लाख मुआवजा देने का आदेश दिया है। नागपुर पीठ के जस्टिस उर्मिला जोशी-फाल्के और जस्टिस राज वाकोडे ने 31 अगस्त को फैसले में अकोला पुलिस को ‘सुनाया’।

गोवा में गृहमंत्री शाह ने की पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की बैठक

पश्चिमी क्षेत्रों को देश के लिए बेहद अहम बताया

मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने का काम किया

एजेसी ►► पणजी

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पणजी, गोवा में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वां बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सीएम प्रमोद सावंत, भूपेंद्र पटेल, देवेंद्र फडणवीस और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल सहित केंद्र और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र देश के लिए बेहद अहम है और यह भारत का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रशासनिक सुधारों के जरिए देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने का काम किया गया है।



‘वेस्ट इंगन’ है, व्याख्या भी की

शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र को देश की आर्थिक वृद्धि का ‘वेस्ट इंगन’ कहा जा सकता है। इसमें डब्ल्यू यानी वेल्थ और फाइनेंस, ई यानी एक्सपोर्ट और पोर्ट्स, एस यानी स्टार्ट अप्स और सेमीकंडक्टर तथा टी यानी टूरिज्म और ब्यू इकोनॉमी शामिल हैं। इन सभी क्षेत्रों में पश्चिमी क्षेत्र की देश में बड़ी हिस्सेदारी है। गोवा में पर्यटक आते हैं, जिनमें करीब 5 लाख विदेशी पर्यटक हैं।

आंदोलन के खिलाफ आंदोलन... आरक्षण की जंग में नया मोड़

जरांगे के प्रदर्शन के विरोध में ओबीसी एक्टिविस्टों ने की भूख हड़ताल

पुलिस ने नहीं दी कार्यक्रम की अनुमति, 4 गिरफ्तार आंदोलन स्थल से 400 मीटर दूर शुरू की भूख हड़ताल

एजेसी ►► जालना

महाराष्ट्र के जालना जिले में मनोज जरांगे के मराठा आरक्षण आंदोलन के समानांतर ओबीसी एक्टिविस्टों ने जवाबी भूख हड़ताल शुरू की थी। पुलिस ने कानून-व्यवस्था, तनाव और यातायात प्रभावित होने की आशंका का हवाला देते हुए प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और सोमवार को चार ओबीसी एक्टिविस्टों को हिरासत में ले लिया। जरांगे की बेमियादी भूख हड़ताल 10वें दिन भी जारी है और उनकी मांग मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र के जरिए ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने से जुड़ी है।



इन एक्टिविस्टों ने जरांगे के आंदोलन स्थल से करीब 400 मीटर दूर अंतरवाली सारती गांव में भूख हड़ताल शुरू की थी। उनका आरोप था कि राज्य सरकार ओबीसी समुदाय के अधिकारों की अनदेखी कर रही है और एक्टिविस्टों को सरकार की ओर से ‘खास तवजो’ दी जा रही है। प्रदर्शनकारियों को यह भी बताया गया था कि जिस जगह पर वे आंदोलन कर रहे हैं, उसके इस्तेमाल के लिए उनके पास ग्राम पंचायत या जमीन के मालिक की अनुमति नहीं है।



काली पट्टी बांधकर निकला मौन जुलूस, व्यापारियों ने बंद रखे प्रतिष्ठान

माता महालक्ष्मी की प्रतिमा खंडित करने के विरोध में सड़क पर उतरा आस्था का आक्रोश

आरोपी की जानकारी देने पर 50 हजार इनाम की घोषणा

आधारताल स्थित ऐतिहासिक पचमठा मंदिर में कलचुरी कालीन माता महालक्ष्मी की प्रतिमा खंडित किए जाने की घटना से श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और युवा सड़क पर उतरे और काली पट्टी धारण कर शांतिपूर्ण मौन जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया।



जबलपुर। जुलूस का नेतृत्व पचमठा मंदिर के पुजारी कपिल महाराज ने किया। श्रद्धालुओं ने हाथों में तरिखायां लेकर प्रतिमा खंडित करने की घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जुलूस के दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी धार्मिक भावनाओं और आस्था के सम्मान की आवाज बुलंद की।

व्यापारी संघ ने बंद रखा बाजार

घटना के विरोध में आधारताल व्यापारी संघ ने भी अपना समर्थन देते हुए क्षेत्र के प्रतिष्ठान बंद रखे। संघ अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि माता महालक्ष्मी की प्राचीन प्रतिमा से जुड़ी यह घटना बेहद गंभीर और श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाली है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों में भी घटना को लेकर गहरा आक्रोश है।



सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बना विरोध

इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह रही कि मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी घटना की निंदा करते हुए जुलूस को अपना समर्थन दिया। पूर्व पार्षद ताहिर अली के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोग भी मौन जुलूस में शामिल हुए और धार्मिक आस्था के प्रतीकों को नुकसान पहुंचाने की घटना का विरोध किया।

प्रदर्शन के दौरान यह रहे उपस्थित

प्रदर्शन में पार्षद बाबा श्रीवास्तव, पार्षद विमल राय, पार्षद महेश राजपूत, वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश ताम्रकार, डॉ. राजेश जायसवाल, मनोष अग्रहरि, व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, बनारसी यादव, अमंद नारायण श्रीवास्तव, रमाकांत मिश्रा, बुजुकिशोर सिंह बिहारी, सुबोध पहारिया, अमित तिवारी, आशीष श्रीवास्तव, दीपक द्विवेदी, तपन रंजन गुप्ता, आकाश रजक, परमल चतुर्वेदी, विनय यादव, पुष्कल शर्मा, गुल्लू दुबे एवं आनंद बिहारी जायसवाल सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। प्रदर्शन में मातृशक्ति, युवा शक्ति और बुजुर्गों ने हजारों की संख्या में सहभागिता दी। उपस्थित लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ाने और प्रशासन से शोध कार्रवाई की मांग की।

सौपा झापन, दी आंदोलन की चेतावनी

शराब दुकानों में नियमों के उल्लंघन और अवैध अहातों एवं अवैध रूप से बेची जा रही शराब के खिलाफ युवा कांग्रेस ने खोला मोर्चा

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर की मदिरा दुकानों में शासकीय नियमों की धजियां उड़ाए जाने और अवैध अहातों के संचालन को लेकर जबलपुर शहर युवा कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। आबकारी विभाग की बैठकों में दिए गए निर्देशों का जमीनी स्तर पर पालन न होने का आरोप लगाते हुए युवा कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर के नाम झापन सौपाकर निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।



रेट लिस्ट गायब, मनमाने दाम पर बिक्री

युवा कांग्रेस अध्यक्ष सतेंद सोनू कुकरेले एवं पूर्व प्रदेश सचिव मनु यादव के नेतृत्व में सौपा गे झापन में उल्लंघन किया गया कि आबकारी विभाग की समीक्षा बैठकों में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि प्रत्येक मदिरा दुकान पर अनिवार्य रूप से रेट लिस्ट और क्यूआर कोड प्रदर्शित किए जाएं। इसके बावजूद अधिकांश दुकानों से रेट लिस्ट और क्यूआर कोड गायब हैं और मदिरा प्रेमियों से निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूली जा रही है। झापन में शहर की कई दुकानों का जिक्र करते हुए धार्मिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों से निर्धारित दूरी के नियमों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया गया। चंडालभाटा मदिरा दुकान मंदिर से महज 50 मीटर की दूरी पर संचालित हो रही है, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। बल्देवबाग चौराहा पर स्थित शराब दुकान 'स्मॉल वंडर स्कूल' के बेहद करीब है, जिससे योजना स्कूली बच्चों और अभिभावकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

झापन में दमोह नाका चौराहे का विशेष उल्लेख करते हुए बताया गया कि मदिरा दुकान के ठीक बाजू में कथित रूप से अवैध अहाता संचालित करया जा रहा है। यहां असांमजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। हाल ही में इस क्षेत्र में चाकूबाजी की वारदात भी सामने आई है, जिससे कानून-व्यवस्था पर गंभीर खाल खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा शहर की अन्य शराब दुकानों के आसपास भी अवैध रूप से अहाते चलाए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों का राह निकलना दूसर हो गया है।

भौतिक सत्यापन और कार्रवाई की मांग, आंदोलन की चेतावनी

युवा कांग्रेस ने कलेक्टर से मांग की है कि जिले की सभी शराब दुकानों का भौतिक निरीक्षण कर दूरी का सत्यापन करया जाए। साथ ही दंडन्याय चौक-दमोह नाका, चंडालभाटा और बल्देवबाग की दुकानों की विशेष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए और कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक किया जाए। युवा नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि समय-समय के भीतर इन जर्नलिस्ट के मुद्दों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो युवा कांग्रेस लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सोनू कुकरेले, पूर्व प्रदेश सचिव मनु यादव, मोदी वंशकार, अमृत बाजपेयी, सागर शुक्ला, नितिन सिंह, नीलेश जैन, सोरभ यादव, सुमित यादव, गौरव सिंह राजपूत, अद्वानन अंसारी, शुभम अग्रवाल, शिवम यादव, पलाश यादव, प्रियंका केशरवानी, पल्लव उपाध्याय, करुण यादव, अभिषेक तिवारी, देवेन्द्र शर्मा, मेनू जायसवाल, परस वंशकार, नयन गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का संभागीय महाअधिवेशन सम्पन्न, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ पत्रकारों के अधिकारों के लिए एकजुट होकर करेंगे प्रयास

जबलपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जबलपुर संभागीय महाअधिवेशन में पत्रकारों की एकजुटता, अधिकारों एवं समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए पत्रकारों को बधाई दी। कार्यक्रम को सांसद आशीष दुबे, विधायक अभिलाष पांडेय, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, पूर्व मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, वरिष्ठ पत्रकार गंगा पाठक, प्रेम शंकर तिवारी, संभागीय अध्यक्ष रवींद्र शर्मा एवं महासचिव संजय मिश्रा ने संबोधित किया।



वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं सतीश शर्मा, मुख्यालय उपाध्यक्ष सुजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष मीना चौधरी, राजजी चौधरी, शिवाकर वंदी पांडे, ओपी दुबे, ब्रजेश मिश्रा, संतोष वर्मन, प्रखर पाठक एवं अनुरूप सिंह तोमर सहित अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ली।

इसके अलावा अनुराग दीक्षित, शिव चौरसिया, प्रशांत शुक्ला, हरि सिंह ठाकुर, अजय खरे, किशोर दानी, सतीश लवानिया, उदय सिंह बैस एवं जितेंद्र वैष्णव ने भी पद की शपथ ली। प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने मुख्यमंत्री के नाम पत्रकारों की समस्याओं से

संबंधित 11 सूत्रीय मांग पत्र का वाचन किया। महाअधिवेशन में राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेयी, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, प्रदेश संयोजक मदन अवस्थी, प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, उमेश शुक्ला, घनश्याम मिश्रा एवं धर्मेन्द्र असरानी सहित परिषद के पदाधिकारी मौजूद रहे। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष ताम्रकार, सीएसपी अखिलेश गौर, सीएसपी महादेव नागोतिया, थाना प्रभारी उमेश गोहलानी, थाना प्रभारी नितिन कमल, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक विनीत रजक, आलोक पाठक, प्राचार्य एडवोकेट ठाकुर चरण सिंह, एडवोकेट आरके सिंह सैनी एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव असीम त्रिवेदी का सम्मान किया गया। संचालन रूपम बाजपेयी ने किया। आधार जबलपुर जिला अध्यक्ष राहुल शर्मा ने व्यक्त किया।

पनागर। अजय सत्य प्रकाश पब्लिक स्कूल, पनागर के हौनहार छात्र अयांश पटेल ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पनागर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित हुआ है।

अयांश ने यह सफलता विद्यालय के खेल शिक्षक सुजीत दहिशा के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण में प्राप्त की। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिযোগिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने पर अयांश के परिवार, शिक्षकाण एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। विद्यालय के डायरेक्टर अजय ग्रोवर एवं पलक ग्रोवर तथा प्राचार्य लता पाठक ने अयांश को उनकी शानदार उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत से विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने अयांश के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे इसी तरह सफलता की नई ऊंचाइयों हासिल करते रहें। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं समस्त स्टाफ ने भी अयांश को बधाई



देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की।

हाईकोर्ट ने कहा, क्रमोन्नति से जुड़े मामले में अवमानना याचिका

याचिका लंबित रहने से रिटायरमेंट पेंशन न रोकी जाए

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दूसरी क्रमोन्नति से जुड़े मामले में स्पष्ट किया है कि याचिका लंबित होने के कारण कर्मचारी की पेंशन का भुगतान नहीं रोका जा सकता। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई सितंबर के अंतिम सप्ताह में निर्धारित की है।



मामला इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (पुराना पीएसएम), जबलपुर में उच्च श्रेणी प्रभार (लेक्चरर) के पद पर कार्यरत अल्पना खरे की अवमानना याचिका से जुड़ा है। अवमानना याचिका में आरोप लगाया गया है कि पूर्व में हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें दूसरी क्रमोन्नति का लाभ नहीं दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने 11 अन्य कर्मचारियों के साथ याचिका दायर की थी। इसमें क्रमोन्नति वेतनमान और उससे जुड़े प्रणामी लाभ देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का तर्क है कि अन्य कर्मचारियों द्वारा पदोन्नति स्वीकार नहीं किए जाने के आधार

पर जारी आदेश उनके मामले में लागू नहीं होता, क्योंकि उन्होंने पदोन्नति से इनकार नहीं किया था। इससे पूर्व अवमानना मामले में लोक अदालत ने 13 मई 2023 को सरकार की सहमति के आधार पर संबंधित आदेश के पालन के लिए 60 दिन का समय दिया था। याचिकाकर्ता का कहना है कि इसके बावजूद आदेश का पालन लंबित है और इसलिए दूसरी बार अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि यदि याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त हो रही हैं तो इस याचिका के लंबित रहने के कारण उनकी पेंशन का भुगतान नहीं रोका जाए, क्योंकि वर्तमान विवाद केवल दूसरी क्रमोन्नति से संबंधित है।

पाटन में 11 सितंबर को लगेगा शिदिर, मौके पर होगा समस्याओं का समाधान

जन विश्वास अभियान से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में 11 सितंबर को पाटन में प्रस्तावित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी लंबित कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर में आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के साथ शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाए।

अभियान में दिव्यांगजन असेसमेंट, स्वास्थ्य जांच, आयुष परामर्श एवं दवा वितरण के साथ आधार संशोधन, समग्र आइडी, ई-केवाईसी, पेंशन व सामाजिक सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए अलग-अलग सहायता डेस्क बनाए जाएंगे। उद्यमियों की समस्याओं और स्वरोजगार योजनाओं पर उद्यम संवाद तथा योजनाओं से सफल हुए हितग्राहियों के साथ यशस्वी संवाद भी होगा। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए।

गाला बिल्डर्स और श्री ट्रेडिंग कंपनी को 24 घंटे का अंतिम अल्टीमेटम

बकाया लीज राशि पर नगर निगम सख्त

जबलपुर। नगर निगम ने लंबित संपदा राजस्व की वसूली को लेकर सख्ती शुरू कर दी है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर संपदा शाखा प्रभारी शिवांगी महाजन ने बकाया लीज राशि जमा करने के लिए गाला बिल्डर्स और श्री ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को 24 घंटे का अंतिम नोटिस जारी किया है। निवाड़गंज एक्सटेंशन के भूखंड क्रमांक 104, 110 एवं 111 की लीज नामांतरण राशि के रूप में गाला बिल्डर्स के पार्टनर चिराग गाला पर 11 लाख 96 हजार 173 रुपए बकाया हैं। इसी तरह भंवरताल



एक्सटेंशन के न्यू प्लॉट क्रमांक 43-44 की लीज नामांतरण, नवीनीकरण एवं व्यापारिक उपयोग परिवर्तन की स्वीकृत राशि 14 लाख 73 हजार 916 रुपए श्री ट्रेडिंग कंपनी पर बकाया है। निगम ने दोनों पक्षों को निर्धारित समय में राशि जमा कर रसीद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। राशि जमा नहीं होने पर लीज निरस्त कर जमीन पर पुनः कब्जा लेने की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक राजस्व की वसूली में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गैस वाहनों में नहीं गूजेगा 'भाई आया रे गैस सिलेंडर' सुरक्षा गीत मुख्यालय के आदेश बेअसर, जबलपुर में थमी एलपीजी सुरक्षा जागरूकता की मुहिम

हरिभूमि, जबलपुर।

रसोई गैस उपभोक्ताओं को एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही विशेष मुहिम को जबलपुर में प्रशासनिक सुरती का ग्रहण लग गया है। आयुक्त कार्यालय भोपाल एवं खाद्य मंत्रालय द्वारा मध्य प्रदेश के सभी जिलों में एलपीजी वितरण वाहनों पर सुरक्षा जागरूकता

गीत "भाई आया रे गैस सिलेंडर" बजाना अनिवार्य करने के स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसके बावजूद जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी कार्यालय, जबलपुर द्वारा स्थानीय स्तर पर अब तक कोई पत्राचार या औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। विभागीय अनदेखी के चलते जबलपुर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले एलपीजी वाहनों में यह सुरक्षा गीत नहीं बज सकेगा।

अन्य जिलों में सख्ती, संस्कारधानी में चुप्पी उल्लेखनीय है कि प्रदेश के कई जिलों में वहां के कलेक्टरों और जिला आपूर्ति अधिकारियों ने इस संदर्भ में आदेश जारी कर गैस एजेंसियों को इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सिलेंडर लेते समय कजन की जांच करने, एक्सपायरी डेट देखने और लीकेज की जांच जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना है। लेकिन जबलपुर जिला खाद्य विभाग की इस चुप्पी से सरकार की एक बेहद महत्वपूर्ण जनहितोष् योजना ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है।

एफआईआर के विरोध में पाटन थाने में प्रदर्शन, विधि संगत होगी कार्रवाई : एसडीओपी

पाटन। सड़क हादसों और किसानों की समस्याओं को लेकर 18 अगस्त को पाटन चौराहे पर हुए प्रदर्शन के मामले में एफआईआर दर्ज होने की सूचना के बाद सर्वदलीय समाज के कार्यकर्ताओं ने पाटन थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदयभान सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। सूचना पर एसडीओपी लोकेश डाबर, तहसीलदार सच्चिदानंद त्रिपाठी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी। वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के बाद प्रशासन के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त हुआ। उदयभान सिंह ने कहा कि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई और 18 सितंबर तक शाहपुरा रेल गेट चालू नहीं किया गया, तो पुनः आंदोलन किया जाएगा। एसडीओपी लोकेश डाबर ने कहा कि आंदोलनकारियों को समझाइश देकर शांत कराया गया है और पूरे मामले में विधि संगत कार्रवाई की जाएगी।

आश्वासन के बाद सर्वदलीय समाज का धरना समाप्त



पीएम श्री सालीवाड़ा के चार शिक्षक जिला स्तरीय सम्मान से सम्मानित

बरेला। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाड़ा गौर के चार शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती आभा वानखेड़े को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं विद्यालय के शैक्षणिक विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी एवं जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। इसी क्रम में विद्यालय की श्रीमती सरोज विनोदिया (व्याख्याता), श्रीमती उत्तरा गुप्ता (माध्यमिक शिक्षक) एवं राजेंद्र अग्रवाल (सहायक शिक्षक) को समर्पण भाव से कार्य करने तथा शिक्षण के साथ जिले की विभिन्न गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। सभी शिक्षकों को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के करकमलों से प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। शिक्षकों को इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की।



अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी के विरोध में मोदी, शाह, योगी, चंपक राय का पुतला दहन किया आधारताल बिरसामुंडा चौक पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जबलपुर। उपनगरीय आधारताल बिरसामुंडा चौक में मप्र कांग्रेस कमेट्री के वरिष्ठ नेता चमन पासी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी के विरोध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राम मंदिर ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपक राय का पुतला दहन किया गया। बताया गया सरकार ने राम मंदिर चंदा चोरी चढ़ावा चोरी के मामले में बड़े चोरों को बचा लिया और छोटे को जेल भेज दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि मैं देश का चौकीदार हूँ। योगीजी कहते हैं मैं प्रदेश का चौकीदार हूँ, तो इन चौकीदारों के रहते राम मंदिर में कैसे चोरी हो गई? मंदिर बनाने, मूर्ति स्थापना, मंदिर में झंडा लगाने आदि का श्रेय प्रधानमंत्री लेते हैं तो अब राम मंदिर में चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी का श्रेय भी उन्हें लेना चाहिए। आधारताल बिरसामुंडा चौक पर लगभग एक घंटा चले प्रदर्शन में चमन पासी, मनोज भदौरिया, जगू केशरवानी, आसिफ इकबाल, ताहिर अली, सुबोध पहारिया, पूरन कोरी, गंगासिंह ठाकुर, विकास विश्वकर्मा, सोहनलाल कटारे, कीर्ति सिंह, राजू तोमर, संतोष लोधी, पप्पू केवट, चंकी खान, गिरजाशंकर पटेल, बाबा लहरी, विष्णु बर्मन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पं. अनिल तिवारी फिर बने गोविंदगंज रामलीला समिति अध्यक्ष सर्वसम्मति से हुआ निर्वाचन, पुरानी टीम पर सदस्यों ने जताया भरोसा

जबलपुर। 162वें वर्ष में प्रवेश कर रही श्री गोविंदगंज रामलीला समिति की आमसभा में पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। करीब ढाई दशक से रामलीला की सेवा कर रहे पूर्व एमआईसी सदस्य पं. अनिल तिवारी को पुनः अध्यक्ष चुना गया। पं. राजेश पाठक को नव संरक्षक मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी अजय तिवारी एवं सहायक चुनाव अधिकारी राजकुमार गुप्ता के निर्देशन में प्रक्रिया संपन्न हुई। कमल किशोर तिवारी पिंटे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पवन पांडे व पीयूष विश्वकर्मा उपाध्यक्ष, मनीष पाठक महामंत्री तथा राजीव गोयल कोषाध्यक्ष चुने गए। युवा वर्ग का नेतृत्व करने पं. आयुष तिवारी को मंत्री बनाया गया। इससे पहले महामंत्री मनीष पाठक ने गत वर्ष का आय-व्यय प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनिमत से पारित किया गया।



अध्यक्ष अनिल तिवारी ने सभी को साथ लेकर रामलीला को और भव्य बनाने का संकल्प जताया। आमसभा में पं. वासुदेव शास्त्री, राकेश पाठक, मोहन महाराज, विजय सरावगी, गुड्डा रैकवार, दीपक अग्रवाल,

अतुल पांडे, पलाश पाठक, सौरभ पटेरया, राजेश ठाकुर, कैलाश दुबे, हर्षित पाठक, आकाश पाठक सहित बड़ी संख्या में सदस्य शामिल, राकेश पाठक, मोहन महाराज, विजय सरावगी, गुड्डा रैकवार, दीपक अग्रवाल,

जबलपुर-भेड़ाघाट इलेक्ट्रिक बस शुरू होने से हर्ष

भेड़ाघाट। जबलपुर से भेड़ाघाट के बीच इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। नगर परिषद भेड़ाघाट के उपाध्यक्ष जगदीश दाहिया ने कहा कि बस सेवा से स्थानीय लोगों, विद्यार्थियों एवं पर्यटकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने बस संचालक से मांग की कि बस का संचालन मेडिकल, समझ, चौकीताल, लम्हेटाघाट एवं गोपालपुर होते हुए भेड़ाघाट तक किया जाए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग अपेक्षाकृत शॉर्टकट है, जिससे लम्हेटाघाट सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी इलेक्ट्रिक बस सेवा का लाभ मिल सकेगा। साथ ही इस मार्ग से बस संचालन होने पर भेड़ाघाट के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। दाहिया ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को समय पर ड्यूटी और बच्चों को स्कूल पहुंचने में सुविधा होगी तथा पर्यटकों के लिए भी आवागमन अधिक आरामदायक बनेगा।



फिनेक्स ग्रुप के चेयरमेन सुमित कालिया का किया नागरिक अभिनंदन

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेट्री के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय कांडा ने बताया कि शहर की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सम्मान समारोह आयोजित कर वरिष्ठ समाजसेवी एवं फिनेक्स ग्रुप के चेयरमेन सुमित कालिया का नागरिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी पं. राममूर्ति मिश्रा, विजय कांडा, राजेन्द्र चौधरी, रूपलाल यादव, एड. महबूब अली, दीपक सिंह राजपूत, अशोक सेठी, उमेश सिंह, पिंकी ठाकुर, सुरेश हिस्कर, दिनेश चौधरी सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता ही संगठन शक्ति का मूल आधार : रत्नेश सोनकर भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत

जबलपुर। भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई। जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन शक्ति का मूल आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को निष्ठा और समर्पण के साथ सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने पिछले दो वर्षों के संगठनात्मक कार्यों का कार्यवृत्त प्रस्तुत कर कार्यक्रमों की समीक्षा भी की। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि विकसित भारत के लिए आर्थिक समृद्धि, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के विकास पर समान रूप से काम जरूरी है। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान ही



विकसित भारत की मजबूत नींव है। जिला प्रभारी एवं पूर्व सांसद अनिल शर्मा, आनंद बनोड, विजयराज पटेरिया एवं राजकुमार मेहता का सम्मान किया गया। पंकज दुबे ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर रंजीत पटेल, अमित सोनू बछवानी, जितेंद्र जामदार, हेरेंद्रजीत सिंह बब्बू, रत्नेश सोनकर सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् से हुआ। वरिष्ठ नेता सुरेश देशपांडे, अनिल शर्मा, आनंद बनोड, विजयराज पटेरिया एवं राजकुमार मेहता का सम्मान किया गया। पंकज दुबे ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर रंजीत पटेल, अमित सोनू बछवानी, जितेंद्र जामदार, हेरेंद्रजीत सिंह बब्बू, रत्नेश सोनकर सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरपीएफ कुश्ती प्रतियोगिता का आज होगा शुभारंभ

जबलपुर। रेलवे सुरक्षा बल, जबलपुर द्वारा 37वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल कुश्ती प्रतियोगिता-2026 का आयोजन लगातार चौथी बार रेलवे स्टेडियम में किया जा रहा है। प्रतियोगिता 8 से 10 सितंबर तक होगी। इसमें देश की आठ क्षेत्रीय रेलों एवं रेलवे सुरक्षा विशेष बल की टीमों के 58 खिलाड़ी, महिला खिलाड़ी सहित, भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता फ्री स्टाइल के 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97 एवं 125 किग्रा भारवर्ग में होगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन 8 सितंबर को दोपहर 12 बजे रेलवे स्टेडियम में महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पश्चिम मध्य रेल राजीव कुमार यादव करेंगे। उद्घाटन समारोह में सभी टीमों के खिलाड़ी मार्चपास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी देंगे।



कलचुरी फैमिली क्लब ने धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

जबलपुर। कलचुरी फैमिली क्लब द्वारा जन्माष्टमी पूर्व उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया गया कार्यक्रम की शुरुआत सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती एवं धार्मिक गीतों के साथ की। इस अवसर पर आगामी राधाष्टमी एवं गणेश चतुर्थी को लेकर लघु प्रस्तुतियां एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सदस्यों ने त्योहारों के माध्यम से सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे एवं सद्भाव बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया तथा पर्वों के धार्मिक एवं सामाजिक महत्त्व पर चर्चा की। कार्यक्रम का संयोजन कौशलेन्द्र महाजन ने किया, जबकि संचालन राजीव चौकसे ने किया। संयोग से इसी दिन श्रीमती कल्पना महाजन का जन्मदिन भी था, जिसे क्लब सदस्यों ने उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम में रवींद्र-शशि चौकसे, राजेंद्र-सीमा राय, श्रीचंद-कल्पना चौकसे, देवेन्द्र-आशा चौकसे, कौशलेन्द्र-कल्पना महाजन, विद्याशंकर-किरण राय, मिथिलेश-आशा चौकसे, श्याम-मनोरमा राय, संदीप-प्रीति चौकसे, संजय-रोजी कल्याण, सुरेंद्र-जयश्री चौकसे, सूर्यप्रकाश-निधि राय, रामजस-कृष्णा चौकसे, केएस-रेखा राय, राजकुमार-अर्चना जायसवाल, संतोष-ज्योति जायसवाल, राजेश-अर्चना जायसवाल, आनंद-नीता महाजन, नीरज-कविता चौकसे, आशीष-नेहा चौकसे, हर्ष जायसवाल, रवीशर एवं राजबीर चौकसे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्लाइंग किक खेल का स्थापना दिवस मनाया अक्टूबर में जबलपुर में होगी राष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता

जबलपुर। प्लाइंग किक खेल का स्थापना दिवस 7 सितंबर को उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल प्रेमियों एवं संगठन पदाधिकारियों में खासा उत्साह रहा। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आदिवासी खेल एवं संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें प्लाइंग किक मार्शल आर्ट प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा एवं मार्शल आर्ट कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्लाइंग किक खेल संघ मध्यप्रदेश के महासचिव राजकुमार यादव एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी मानवराज यादव ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खेल के प्रति युवाओं की



बढ़ती रुचि को सराहनीय बताते हुए खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस दौरान घोषणा की गई कि 10वीं राष्ट्रीय

प्लाइंग किक मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन 10 एवं 11 अक्टूबर को जबलपुर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी शामिल होंगे।

श्री राजभान दुबे- सिहोरा, सिविल लाइन वार्ड क्रमांक 11 निवासी कटनी जेल विभाग में पदस्थ राजभान दुबे का 56 साल की उम्र में सड़क दुघटना में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार आज मंगलवार को ग्रह ग्राम पहरा में सुबह 9 बजे किया जाएगा। वे मोहित, हर्षित दुबे के पिता थे। श्रीमती प्रेमलता कर- चंदन कालानी गंगानगर गढ़ा निवासी श्री गगन बिहारी कर की धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता कर (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री कल्लू खटीक- खटीक मोहल्ला खेरमाई वार्ड निवासी श्री कल्लू खटीक (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती कुसुम शर्मा- मीराज आमाहिनीता भेड़ाघाट रोड निवासी श्री देवेंद्र शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम शर्मा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुलेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ। श्री इमरत लाल कोष्टा- बस्ती नं. 1 सुभाष नगर गोहलपुर निवासी श्री इमरत लाल कोष्टा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री वीर बहादुर यादव- गुलीआ चौक गढ़ा निवासी श्री वीर बहादुर यादव (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री किशन सिंह राजपूत- छोटी ओमती बिहारी महाराज का बाड़ा निवासी श्री किशन सिंह राजपूत (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती शीला थापा- छठवीं बटालियन एसएएफ रांडी निवासी श्री गोवर्धन थापा की धर्मपत्नी श्रीमती शीला थापा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री टक्कू बेन- राधाकृष्णन वार्ड चौथ वाले बाबा के निकट निवासी श्री टक्कू बेन (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री पंचम लाल पटेल- नई बस्ती कजरवारा निवासी श्री पंचम लाल पटेल (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती ललिता यादव- श्रीधाम बस्ती महाराजपुर निवासी श्री मनोहर लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता यादव (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्रीमती मंजूरानी दास- चंद्रलोक

परिसर मानेगांव रांडी निवासी श्री दुलाल चंद्र दास की धर्मपत्नी श्रीमती मंजूरानी दास (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री गौरी शंकर ठाकुर- झामनदास चौक के पास लालमाटी निवासी श्री गौरी शंकर ठाकुर (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती पार्वती बाई- सीओडी कॉलोनी रांडी निवासी श्री पूरन बहादुर की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री अरूण कुमार महाबिया- चांदमारी लालमाटी निवासी श्री अनिल महाबिया के पुत्र श्री अरूण कुमार महाबिया (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री कन्हैया लाल शिवहरे- गली नं. 9, सरगं गणेश चौक निवासी श्री कन्हैया लाल शिवहरे (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में

संपन्न हुआ। श्रीमती लक्ष्मी बाई- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री भगवान दास डुमर का धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री अवधेश प्रसाद पांडे- कृष्णा कॉलोनी रांडी निवासी श्री अवधेश प्रसाद पांडे (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती मनोरमा बिरहा- पूर्वी घमापुर भगवानदास शर्मा स्कूल के सामने निवासी श्री अरविंद बिरहा की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा बिरहा (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री राम आसरे केवट- आईटीआई गली नं. 1 राजीव नगर निवासी श्री राम आसरे केवट (80) का निधन हो गया।

अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री विजय कोरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री लल्लू कोरी के पुत्र श्री विजय कोरी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। इंजी. पलाश सरावगी - ज्वाय स्कूल के पास, विजय नगर जबलपुर निवासी, इंजी. आलोक सरावगी के छोटे सुपुत्र एवं गहोई वैश्य समाज पंचायत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ अरूण सरावगी के भतीजे इंजी. पलाश सरावगी (आयु 30 वर्ष) का सोमवार को हृदयाघात के कारण आकस्मिक निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज मंगलवार 8/9/2026 को सुबह 10 बजे निवास स्थान से ग्वारीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेंगी।

हरिभूमि

अप कवच 100/- प्रति कवच 10.00/-

निजी/श्रेष्ठ/उत्तरावन, पयड़ी रम, पुण्यतिथि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

विजय राहुज:-	1000 से.मी.	वैकट/हार्दिट	300/-
विजय राहुज:-	1000 से.मी.	रेगिनी	400/-
विजय राहुज:-	1000 से.मी.	2999	1100/-

सम्पर्क नं० वित्तापन विभाग:- 9303308294, 9407362160



इस साल त्योहारों में नहीं मिलेंगे ऐसे ऑफर ? 50% डिस्काउंट या 2 पर 1 मुफ्त

एजेंसी ►► नई दिल्ली

नए कपड़े खरीदने के लिए अगर आप त्योहारों का इंतजार कर रहे हैं ताकि डिस्काउंट मिल सके तो आपको निराशा हाथ लग सकती है। इस साल फेस्टिव सीजन में आपको बहुत कम या न के बराबर डिस्काउंट देखने को मिल सकता है।

रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन ने कहा है कि कपड़ा उद्योग ने इस बार डिस्काउंट से दूरी बनाने का फैसला किया है। उनके बयान के अनुसार, ‘खुदरा व्यापारियों ने मैनुफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्ट और फाइनल पैकेजिंग की बढ़ती कॉस्ट को ध्यान में रखते हुए इस बार डिस्काउंट से दूरी बनाने का फैसला किया है।



खबर संक्षेप

आरबीएल बैंक एफआई से एक अरब डॉलर जुटाएगा



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणदाता आरबीएल बैंक ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बॉन्ड जारी कर विदेशी निवेशकों से एक अरब अमेरिकी डॉलर तक जुटाने को मंजूरी दी है। निदेशक मंडल ने अमेरिकी प्रतिभूति अधिनियम, 1933 के तहत एक ‘यूरो मीडियम टर्म नोट प्रोग्राम’ को मंजूरी दी है।

मॉल्बियो ने 52.7 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणदाता आरबीएल बैंक ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बॉन्ड जारी कर विदेशी निवेशकों से एक अरब अमेरिकी डॉलर तक जुटाने को मंजूरी दी है। निदेशक मंडल ने अमेरिकी प्रतिभूति अधिनियम, 1933 के तहत एक ‘यूरो मीडियम टर्म नोट प्रोग्राम’ को मंजूरी दी है।



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणदाता आरबीएल बैंक ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बॉन्ड जारी कर विदेशी निवेशकों से एक अरब अमेरिकी डॉलर तक जुटाने को मंजूरी दी है। निदेशक मंडल ने अमेरिकी प्रतिभूति अधिनियम, 1933 के तहत एक ‘यूरो मीडियम टर्म नोट प्रोग्राम’ को मंजूरी दी है।



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणदाता आरबीएल बैंक ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बॉन्ड जारी कर विदेशी निवेशकों से एक अरब अमेरिकी डॉलर तक जुटाने को मंजूरी दी है। निदेशक मंडल ने अमेरिकी प्रतिभूति अधिनियम, 1933 के तहत एक ‘यूरो मीडियम टर्म नोट प्रोग्राम’ को मंजूरी दी है।

उद्योग ने निर्माण, ट्रांसपोर्ट और पैकेजिंग की बढ़ती लागत को ध्यान रख डिस्काउंट से दूरी बनाई

कच्चे माल की स्थिति

राजगोपालन का कहना है कि मैन मेड फाइबर की लागत बढ़ने के साथ-साथ इंधन की वजह से इनपुट कॉस्ट 15-20 फीसदी बढ़ी है। उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में जो लागत बढ़ी उसका बोझ रिटेलर्स ने खुद ही झेला। उन्होंने कहा कि वैश्विक तनाव के कारण सप्लाई चेन को लेकर अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है।



स्टाफ की कमी

राजगोपाल के अनुसार, रिटेल मार्केट के पास एक समस्या स्टाफ की कमी भी है। खासतौर पर दिल्ली और चेन्नई के खुदरा कपड़ा व्यापारियों के पास लोग नहीं हैं। जो लोग मिल रहे हैं वह काम के लिए सही नहीं हैं। राजगोपालन के अनुसार, 10 में से कोई 1 ही ऐसा मिल पा रहा है जो उस काम के लिए सही एटीट्यूड रखता हो।



सप्लाई चेन प्रभावित

सप्लाई चेन प्रभावित होने के कारण रिटेलर्स के पास एक और समस्या खड़ी हो गई है। राजगोपालन को माने तो रिटेलर्स ने ओवरस्टॉकिंग से बचने के लिए माल कम मंगाया, अब उनके पास स्टॉक की ही कमी हो गई है। कंपनियां अब इस समस्या से निपटने के लिए बचुर स्टॉक को बढ़ा रही हैं।

बड़ी कंपनियों को होगा

कुछ फायदा

सीईओ ने आगे कहा कि इस बार लोगों को डिस्काउंट से नहीं नए-नए या अलग प्रोडक्ट्स से लुभाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि रिटेल शॉप्स को ग्राहकों को बेहतर अनुभव भी देना होगा ताकि लोग उनके पास आएँ। बकौल राजगोपालन, बड़ी कंपनियों को फिर भी कुछ मुनाफा मिलेगा लेकिन रिटेलर्स को इस बार कितना फायदा होने वाला है इस पर संशय है। बता दें कि रिलायंस रिटेल, टाटा का ट्रेंट, अरविंद फेशन और आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल इस एसोसिएशन के सदस्य हैं।

चंद्रशेखरन का यात्रियों का भरोसा फिर जीतने पर जोर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि एक महत्वपूर्ण नए चरण में प्रवेश कर रही एयर इंडिया को यात्रियों का भरोसा दोबारा कायम करने और अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता है।

वहीं, एयरलाइन के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेवेल्डे ग्रेनेमरियम ने कर्मचारियों से एयरलाइन के पुराने गौरव को लौटाने में मदद करने का आह्वान करते हुए कहा, ‘मेक एयर इंडिया ग्रेट अगेन’ (एयर इंडिया को फिर से महान बनाएं)। उन्होंने 20 फरवरी, 2027 को अपना मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने पर टाटा संस के चेयरमैन पद से हटने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद यह उनका पहला टाटा हॉल संबोधन था।

कर्मचारी बुनियादी बातों पर फिर ध्यान दें: ग्रेनेमरियम

इस पृष्ठभूमि में, ग्रेनेमरियम ने एयर इंडिया के कर्मचारियों को अपने पहले संबोधन में विमानन परिचालन की बुनियादी बातों पर फिर से ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व मुख्य कार्यकारी ने कहा कि एयर इंडिया के पास एक समृद्ध विरासत, एक मजबूत ब्रांड और अपार संभावनाएं हैं। उनके पास इस उद्योग में लगभग चार दशक का अनुभव है।



एआई को खड़ा करने 10 साल लग सकते हैं : चंद्रशेखरन ने कहा कि एयर इंडिया को पूरी तरह खड़ा करने में तेजी से बदलाव के बजाय पांच से 10 साल का समय लग सकता है। एयर इंडिया के अधिग्रहण और बाद में विस्तार के विलय के बाद से समूह नए विमानों के बेड़े, कैबिन नवीनीकरण, प्रौद्योगिकी और एकीकरण में भारी निवेश कर रहा है। घाटे को निर्यात करने के लिए टाटा समूह के प्रयासों के बीच एयर इंडिया ने 500 से अधिक नए विमान का ऑर्डर भी दे रखा है, जिससे भविष्य में बड़ी पूंजी लगाने की प्रतिबद्धता बनी हुई है।

चेयरमैन ने औपचारिक रूप से 61 वर्षीय नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक ग्रेनेमरियम का परिचय कराया, जो कैम्बेलेल विक्सन की जगह ले रहे हैं।

दवा उद्योग से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित किया केंद्रीय मंत्री ने चिकित्सा क्षेत्र में परीक्षण उपकरणों का 100 प्रतिशत खर्च उठाएगी सरकार : गोयल

एजेंसी ►► नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को वैश्विक ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण विकसित करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार परीक्षण उपकरणों की खरीद के लिए 100 प्रतिशत धन उपलब्ध कराने को तैयार है। यहाँ दवा उद्योग से जुड़े दो कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि घरेलू कंपनियों को प्रौद्योगिकी साझेदारी करनी चाहिए, संयुक्त उद्यमों को बढ़ावा देना चाहिए तथा वैश्विक नवोन्मेषकों और बड़ी दवा कंपनियों को भारत आने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।



लक्ष्य एक करोड़ मरीजों को सेवाएं देने का हो

गोयल ने कहा कि भारतीयों और विदेशियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। विदेशी मरीजों को आकर्षित करने के लिए गोयल ने विभिन्न देशों से आने वाले और अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले मरीजों के लिए दुभाषियों का एक समूह तैयार करने का सुझाव दिया। गोयल ने कहा, ‘पिछले सात वर्षों में भारत के चिकित्सा मूल्य पर्यटन से जुड़े तंत्र से 35 लाख मरीज लाभान्वित हुए हैं। देश का लक्ष्य हर साल एक करोड़ मरीजों को सेवाएं देने का होना चाहिए।’

- वैश्विक ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता उपकरण विकसित करने पर जोर
- घरेलू कंपनियों को प्रौद्योगिकी साझेदारी करनी चाहिए
- बड़ी दवा कंपनियों को भारत आने के लिए आमंत्रित करना चाहिए

टाटा-बोइंग ने अपाचे हेलिकॉप्टर का 400वां ‘प्यूजलेज’ किया तैयार

एजेंसी ►► नई दिल्ली

टाटा बोइंग एयरोस्पेस लिमिटेड (टीबीएएल) ने हैदराबाद स्थित अपनी अत्याधुनिक सुविधा से एएच-64ई अपाचे लड़ाकू हेलिकॉप्टर के लिए 400वें ढांचे (प्यूजलेज) का सफलतापूर्वक निर्माण पूरा कर लिया है। टीबीएएल ने आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी। टीबीएएल, बोइंग और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएसएसएल) का संयुक्त उद्यम है।



- टीबीएल, बोइंग और टीएसएसएल का संयुक्त उद्यम
- दुनिया भर में आपूर्ति किए जाने वाले अपाचे हेलिकॉप्टर में लगाए जाते हैं

भारतीय वायुसेना के पास 22 एएच-64ई अपाचे हेलिकॉप्टर हैं। बयान में कहा गया, ‘/टीबीएल ने हैदराबाद में 52,000 वर्ग मीटर के अपने संयंत्र से दुनिया के सबसे उन्नत और प्रमाणित लड़ाकू हेलिकॉप्टर एएच-64ई अपाचे के लिए 400वें ढांचे को सफलतापूर्वक तैयार कर लिया है।’ वर्ष 2016 में स्थापित टीबीएल में 750 से अधिक इंजीनियर और तकनीशियन कार्यरत हैं।

1300 अपाचे हेलीकॉप्टर परिचालन में

ये कर्मचारी अपाचे हेलिकॉप्टर के लिए ढांचा बनाने के लिए उन्नत रोबोटिक्स, स्वचालन और एयरोस्पेस विनिर्माण तकनीकों का उपयोग करते हैं। कंपनी ने कहा कि करीब 1,300 अपाचे हेलिकॉप्टर 19 देशों में परिचालन में हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है।



फाडा के आंकड़ों के अनुसार बिक्री 17.51 फीसदी बढ़कर 24 लाख यूनिट पार

पहली बार पेट्रोल से आगे निकली सीएनजी-हाइब्रिड और ईवी गाड़ियां

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय ऑटो मार्केट ने अगस्त, 2026 में बिक्री का नया इतिहास रच दिया है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस बार गाड़ियों की बिक्री 17.51 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 24,23,201 यूनिट्स पर पहुंच गई है। इस दौरान सबसे दिलचस्प बात यह रही कि भारतीय खरीदारों ने पहली बार पेट्रोल गाड़ियों के मुकाबले सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक से चलने वाली गाड़ियों को ज्यादा खरीदा है। ऑटो सेक्टर में आया यह बड़ा उछाल साफ दिखाता है कि भारतीय ग्राहकों की पसंद अब तेजी से बदल रही है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अगस्त के महीने में पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। इस दौरान कुल बिकने वाली कारों में अल्टरनेटिव प्यूल (सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक)

भारतीय ग्राहकों का पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला

क्या हैं उम्मीदें?

आने वाले फेस्टिव सीजन को लेकर ऑटो डीलर और कंपनियां काफी उम्मीदें लगाए बैठी हैं। हालांकि, शुरुआती दौर डीलर्स की उम्मीदों के मुताबिक थोड़ा धीमा रहा है, लेकिन असली परीक्षा सितंबर से नवंबर के बीच शी-स्म में आने वाली मीड और बुकिंग्स से तय होगी। ट्रेक्टर सेगमेंट की मंदी को छोड़ दें तो फाडा का मानना है कि आने वाले महीनों में ऑटो इंडस्ट्री की रफ्तार और मजबूत होगी। यानी सितंबर में शुरू हो रही त्योहारी खरीदारी से पूरे सेक्टर में रौनक वापस लौटने और बिक्री के नए रिकॉर्ड बनने की पूरी उम्मीद है।



गांवों में बिक्री की रफ्तार बेहतर : इस बार गाड़ियों की बिक्री में ग्रामीण इलाकों ने बाजी मारी है। शहरों के मुकाबले गांवों में बिक्री की रफ्तार काफी बेहतर दर्ज की गई। अगस्त में ग्रामीण ऑटो मार्केट ने सालाना आधार पर 19.79 प्रतिशत की गति दर्ज की। जबकि शहरी बाजारों में यह बढ़ोतरी 15.17 प्रतिशत रही। पैसेंजर व्हीकल्स की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्रों में कारों की मांग में 24.99 प्रतिशत का बड़ा उछाल आया। यह शहरी इलाकों की 10.93 प्रतिशत गति के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है।

भारत ने आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कायम रखी : शाह

एजेंसी ►► पणजी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारत ने वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद अन्य देशों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर और रणनीतिक साझेदारियों कायम कर अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है।

शाह ने गोवा पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान करने के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि दूसरे देशों के साथ बढ़े आर्थिक जुड़ाव का भी वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद



- वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारत की रफ्तार बनी हुई
- भारत ने रणनीतिक साझेदारियों कायम रख आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कायम रखी

(जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने में अहम योगदान रहा। शाह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका, ईरान एवं खाड़ी देशों के बीच संघर्ष के कारण वैश्विक कूटनीतिक परिदृश्य में अस्थिरता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 देशों की यात्रा की, जबकि करीब 15 देशों के राष्ट्रध्वजों ने भारत का दौरा किया। शाह ने कहा, ‘/’जब भी मुझ आता है तो पूरी दुनिया इस पर नजर रखती है कि भारत के प्रधानमंत्री की इस पर क्या राय और नजरिया है।

सैंसेक्स 383 अंक टूटा, निफ्टी पहुंचा 23,800 अंक के नीचे

एजेंसी ►► मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे।

बीएसई सेंसेक्स 383 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी 119 अंक नीचे आया। कच्चे तेल के दाम में तेजी, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने की संभावना से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक टूटकर 76,132.81 अंक पर बंद



- वैश्विक अनिश्चितता जारी रहने से निवेशक धारणा प्रभावित
- कच्चे तेल के दाम में तेजी, ब्याज दर बढ़ने की संभावना

हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 544.91 अंक की गिरावट के साथ 75,970.52 अंक पर आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 नुकसान में रहे जबकि सात में तेजी रही। इम्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक जैसे शेयरों में गिरावट से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 118.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,779.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इम्फोसिस में सबसे ज्यादा 3.81 प्रतिशत की गिरावट आई।

पहली तिमाही जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही

शाह ने कहा कि भारत ने रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, निवेश और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ ठोस समझौते किए हैं। उन्होंने कहा, ‘चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने का एक कारण व्यापक आर्थिक जुड़ाव भी है।’

जिंदल स्टेनलेस ने जेएफई स्टील से किया समझौता...



नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस ने सोमवार को कहा कि उसने जुनिदा फेरिटिक स्टेनलेस स्टील वेड की विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने के लिए जापान की कंपनी जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन के साथ समझौता किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस तकनीकी सहयता समझौते के तहत

फेरिटिक स्टेनलेस स्टील के निर्धारित वेड की उत्पाद गुणवत्ता और विनिर्माण प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। फेरिटिक स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल वाहन कम्पोज़ी, रेल डिब्बों, रसाई उपकरणों, औद्योगिक मशीनरी और निर्माण समेत विभिन्न क्षेत्रों में होता है।

मनिका प्लास्टेक का 11 सितंबर को खुलेगा आईपीओ



नई दिल्ली। प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी मनिका प्लास्टेक लिमिटेड का आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 11 सितंबर को खुलेगा। कंपनी इससे निवेशकों से 125.5 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी ने आईपीओ के लिए 40-43 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ 92.5 करोड़ रुपये के नए शेयर और 76.74 लाख शेयर की विक्री पेशकश (ओफरफ्लव) का मिश्रण होगा। इस तरह आईपीओ का कुल आकार 125.5 करोड़ रुपये बैठता है।

चिंतन

जिंदगी पर भारी नगर निकायों की उदासीनता

देश में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था इसलिए विकसित की गई थी कि शहरों और कस्बों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर हो। नगर निगम, नगर पालिका और अन्य स्थानीय संस्थाओं को अधिकार दिए गए, जिम्मेदारियां सौंपी गईं और उनसे उम्मीद की गई कि वे नागरिकों को सुरक्षित और बेहतर जीवन देंगे, लेकिन आज यही संस्थाएं कई जगह नागरिकों की सुरक्षा के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हो रही हैं। सड़कों से लेकर नालों तक और इमारतों से लेकर जल निकासी व्यवस्था तक, लापरवाही का अक्सर सीधे लोगों की जिंदगी पर पड़ रहा है। दिल्ली में बहुमंजिला हॉस्टल गिरने की हालिया घटना इसका जीता जागता उदाहरण है। इस हादसे में सात लोगों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद जांच और कार्रवाई का दौर शुरू हुआ। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए दिल्ली नगर निगम, सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने हॉस्टलों की खराब स्थिति पर चिंता जलाई और संबंधित सरकारों तथा संस्थाओं से जवाब मांगा है। पुलिस ने हॉस्टल मालिक को भी गिरफ्तार किया है, लेकिन गिरफ्तारी और जांच से बड़ा सवाल यह है कि जिस इमारत में छात्र रह रहे थे, उसकी स्थिति हादसे से पहले किसी जिम्मेदार अधिकारी को क्यों नहीं दिखाई दी? यही सवाल हर उस हादसे के बाद उठता है, जिसमें व्यवस्था की लापरवाही किसी की जिंदगी छीन लेती है। मैनेहोल खुला हो तो हादसा होने के बाद उसे बंद किया जाता है। सड़क पर गड्ढा हो तो दुर्घटना के बाद मरम्मत होती है। जर्जर इमारत हो तो उसके गिरने के बाद नोटिस और जांच शुरू होती है। बारिश में जलभराव हो तो पानी उतरने के बाद नालों की सफाई का दावा किया जाता है। आग लगने के बाद अग्निसुरक्षा नियमों की याद आती है। यानी प्रशासन की सक्रियता नागरिक की सुरक्षा से नहीं, हादसे से तय होती है। दिल्ली, एनसीआर, मुंबई और दूसरे बड़े शहरों में अनियोजित निर्माण ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। शहर फैलते गए, इमारतें ऊंची होती गईं, लेकिन उनके अनुरूप बुनियादी ढांचा और निगरानी तंत्र मजबूत नहीं हुआ। कई जगह भवन नियम कागजों में सख्त हैं, लेकिन जमीन पर उनका पालन कराने वाला तंत्र कमजोर है। इससे भी गंभीर स्थिति तब पैदा होती है जब नियमों को लागू करने में राजनीतिक हस्तक्षेप आड़े आता है। स्थानीय दबाव, सिफारिश और राजनीतिक संरक्षण जैसे नियमों से ऊपर हो जाएं तो फिर नागरिक की सुरक्षा सबसे पीछे चली जाती है। यह भी समझना होगा कि हर हादसे के लिए केवल भवन मालिक या ठेकेदार को दोषी ठहराकर नगर निकाय अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। आखिर भवन का नक्शा किसने पास किया? निरीक्षण किसने किया? निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इन सवालों के जवाब तय करेंगे कि गलती वास्तव में कहाँ हुई। प्रत्येक शहर में जर्जर इमारतों का नियमित सर्वे, खुले मैनेहोल की तत्काल मरम्मत, जलभराव वाले स्थानों की स्थायी योजना और भवन नियमों के उल्लंघन पर समयबद्ध कार्रवाई जरूरी है। निरीक्षण की व्यवस्था को पारदर्शी और राजनीतिक दबाव से मुक्त करना होगा। अब वक्त हादसे के बाद जागने का नहीं, हादसे से पहले खतरा पहचानने का है। क्योंकि नगर निकायों की एक छोटी-सी लापरवाही किसी परिवार के लिए जिंदगी भर का मातम बन सकती है।

दिल्ली हादसा

डॉ घनश्याम बादल



मलबे में दबते सपने और बिके हुए सुरक्षा मानक

कहीं भी जब कोई इमारत गिरती है तो कुछ घंटे के लिए लोगों की सांस थम जाती है। कैमरे मलबे पर टिक जाते हैं, राहतकर्मी ईट-पत्थरों के बीच जिंदगी तलाशते हैं, नेता घटनास्थल पर पहुंचते हैं और प्रशासन सक्रिय दिखाई देने लगता है। फिर बयान आते हैं। जांच होगी', दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जाएगा। सवाल मगर वहीं खड़ा रहता है। जिस इमारत को गिरने से पहले बचाया जा सकता था, उसे गिरने ही क्यों दिया गया? दिल्ली में ढही इमारत कोई अकेली घटना नहीं है। राजधानी और देश के दूसरे शहरों में इमारतों के ढहने, आग लगने और अवैध निर्माण से होने वाली दुर्घटनाएं बार-बार बता रही हैं कि समस्या ईट-पत्थर की नहीं, व्यवस्था की है। पुराना राजेंद्र नगर हो, जहां बेसमेंट में पानी भरने से तीन प्रतियोगी परीक्षार्थियों की जान गई थी, या राजकोट का गेम जोन, जहां आग ने कई परिवारों को उजाड़ दिया- हर घटना के बाद एक ही तस्वीर उभरती है, नियम मौजूद थे, जिम्मेदार विभाग मौजूद थे, लेकिन जिम्मेदारी गायब थी। आखिर ऐसा क्यों है? इमारतें अचानक नहीं गिरती। उनके गिरने की पटकथा महीनों और कई बार वर्षों में लिखी जाती है। कहीं नकशे से खिलवाड़ होता है, कहीं मंजिलें बढ़ाई जाती हैं, कहीं घंटिया सामग्री इस्तेमाल होती है, कहीं बेसमेंट का उपयोग बदल दिया जाता है। शिकायतें भी होती हैं। निरीक्षण भी होते हैं। कागज भी चलते हैं। फिर भी अवैध निर्माण खड़ा रहता है। क्या हमारी व्यवस्था की आंखें तभी खुलती हैं जब मलबे में से कोई शव निकलता है? यही सवाल प्रशासन से है और उससे भी ज्यादा उस भ्रष्ट तंत्र से, जिसमें नियम कानून की किताब में रहते हैं और उनका उल्लंघन बाजार में खुलेआम चलता है। हादसा हुआ नहीं कि संवेदना का बाजार सज गया। ट्यूट, बयान, दैरे, मुआवजे और जांच के आदेरी। मगर जनता पृथ्वी है-जांच हादसे के बाद ही क्यों? क्या किसी नेता या अधिकारी को यह पता नहीं होता कि उसके क्षेत्र में कितने भवन अवैध हैं? कितने बेसमेंट में कोचिंग चल रही है? कितने पीजी में क्षमता से दोगुने-तीन गुने विद्यार्थी रह रहे हैं? कितनी इमारतों में अग्नि निकास केवल कागज पर है? यदि पता है तो कार्रवाई क्यों नहीं? यदि पता नहीं है तो फिर प्रशासन कर क्या रहा है? इस सवाल का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे अक्सर हादसे की सनसनी में भुला दिया जाता है- वे बच्चे और युवा, जो इन असुरक्षित इमारतों में रहने को मजबूर हैं। गांव का किसान अपने बेटे को दिल्ली भेजता है। छोटा दुकानदार अपनी बेटी को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए शहर भेजता है। परिवार अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च करता है, क्योंकि उसे उम्मीद है कि पढ़ाई से अगली पीढ़ी की जिंदगी बदल जाएगी। लेकिन शहर में पहुंचते ही यह सपना एक महंगे बाजार में प्रवेश कर जाता है। कोचिंग की फीस अलग, पीजी का क्रियाया अलग, भोजन अलग, बिजली अलग, इंटरनेट अलग और लाइब्रेरी की फीस अलग। सुरक्षित आवास महंगा है तो विद्यार्थी सस्ता पीजी चुनता है। कमरे में चार की जगह आठ रह जाते हैं। पार्किंग के लिए बना बेसमेंट लाइब्रेरी बन जाता है। आवासीय भवन में कोचिंग शुरू हो जाती है। विद्यार्थी को ज्ञान देने के नाम पर करोड़ों का कारोबार करने वालों के लिए उसकी सुरक्षा की कीमत इतनी कम क्यों है? राजेंद्र नगर की घटना के बाद बेसमेंट में चल रहे कोचिंग और लाइब्रेरी परिसरों का कार्रवाई हुई। कई संस्थान सील किए गए, नोटिस दिए गए और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। मगर सवाल फिर वही है। अगर नियम पहले से थे तो उन्हें लागू करने के लिए तीन जिंदगियों की बलि क्यों चाहिए थी? हमारी सबसे बड़ी विडंबना है। हम हादसों के बाद जागते हैं और कुछ समय बाद फिर सो जाते हैं। राजकोट की आग ने भी यही बताया। अग्नि सुरक्षा, निकास और निर्माण संबंधी नियमों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है, देश ने देखा। बात केवल इमारतों की नहीं है। बात उस भरोसे की है जिसके सहारे गांव का एक पिता अपना बच्चा महानगर भेजता है। मलबे से शव निकाल लेना राहत कार्य है। मलबा बनने से पहले इमारत को रोक देना शासन है। मुआवजा देना संवेदना है। हादसा न होने देना जिम्मेदारी है। इसलिए दिल्ली की आज की घटना पर केवल शोक मत कीजिए। सवाल पुष्टिए, किसने बनाया, किसने अनुमति दी, किसने जांच की, किसने अनदेखा किया और किसने लाभ उठाया? इन सवालों के गिरने की आवाज कुछ संकेड की होती है, लेकिन उसके नीचे दबे परिवारों का दुख पूरी जिंदगी चलता है और याद रखिए, इमारतें अचानक नहीं गिरतीं। पहले नियम गिरते हैं, फिर ईमानदारी, फिर जवाबदेही और अंत में छत।

(लेखक स्वतंत्र रचनाकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



दुनिया की आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था में बदलाव अब केवल व्यापार और मुद्रा तक सीमित नहीं रह गया है । कई देश अपनी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति सोने को लेकर नए सिरے से सोच रहे हैं । अमेरिका और उसकी वित्तीय व्यवस्था पर दशकों से कायम भरोसे के बावजूद कुछ देश विदेशों में रखे अपने स्वर्ण भंडार को वापस ला रहे हैं या उसका स्थान बदल रहे हैं । रूस पर लगे प्रतिबंधों और उसकी अरबों डॉलर की विदेशी संपत्तियों पर रोक ने इस चिंता को और गहरा किया है । यह अमेरिका से दूरी बनाने की औपचारिक मुहिम नहीं, बल्कि जोखिम घटाने और अपनी संपत्तियों पर अधिक नियंत्रण हासिल करने की बदलती वैश्विक रणनीति है ।



मुद्रा
ओमकार चौधरी

दुनिया की आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था में बदलाव अब केवल व्यापार और मुद्रा तक सीमित नहीं रह गया है । कई देश अपनी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति सोने को लेकर नए सिरے से सोच रहे हैं । अमेरिका और उसकी वित्तीय व्यवस्था पर दशकों से कायम भरोसे के बावजूद कुछ देश विदेशों में रखे अपने स्वर्ण भंडार को वापस ला रहे हैं या उसका स्थान बदल रहे हैं । रूस पर लगे प्रतिबंधों और उसकी अरबों डॉलर की विदेशी संपत्तियों पर रोक ने इस चिंता को और गहरा किया है । यह अमेरिका से दूरी बनाने की औपचारिक मुहिम नहीं, बल्कि जोखिम घटाने और अपनी संपत्तियों पर अधिक नियंत्रण हासिल करने की बदलती वैश्विक रणनीति है ।

क्या अमेरिका ने भरोसा खो दिया

दुनिया की आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था में पिछले कुछ वर्षों से एक ऐसा बदलाव दिखाई दे रहा है, जो पहली नजर में केवल सोने के भंडारण से जुड़ा मामला लगता है, लेकिन वास्तव में इसके पीछे बहुत गहरे राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी कारण छिपे हैं। कई देश अब यह सोच रहे हैं कि उनका सोना और विदेशी संपत्ति दूसरे देशों, खासकर अमेरिका में कितनी सुरक्षित है। कुछ देशों ने अमेरिका में रखा अपना सोना वापस मंगाना शुरू किया है, कुछ ने उसका हिस्सा घटाय़ा है और कुछ इस दिशा में विचार कर रहे हैं। यह प्रक्रिया अभी इतनी बड़ी नहीं है कि इसे अमेरिका के खिलाफ वैश्विक विद्रोह कहा जाए, लेकिन इसे केवल सामान्य वित्तीय फेरबदल मान लेना भी उचित नहीं होगा। यह उस बदलती सोच का संकेत है जिसमें देश अपनी सबसे महत्वपूर्ण संपत्तियों पर सीधा नियंत्रण चाहते हैं। लंबे समय तक अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति, सबसे सुरक्षित वित्तीय केंद्र और सबसे विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार माना जाता रहा। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अमेरिकी डॉलर को वैश्विक व्यापार और विदेशी मुद्रा भंडार में केंद्रीय स्थान मिला। न्यूयॉर्क और अन्य अमेरिकी वित्तीय केंद्रों में अनेक देशों का सोना रखा गया। इसकी वजह भी व्यावहारिक थी। अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था मजबूत थी, वहां बड़े पैमाने पर सोने का कारोबार होता था और जरूरत पड़ने पर सोने को बेचना, गिरवी रखना या उसके बदले धन जुटाना आसान था। इसलिए यूरोप सहित कई देशों ने दशकों तक अपने स्वर्ण भंडार का महत्वपूर्ण हिस्सा अमेरिका में रखा। अब यही व्यवस्था सवालों के घेरे में है। हाल के वर्षों में यूरोप के कुछ देशों ने अमेरिका में रखा अपना सोना कम करना शुरू किया है। नीदरलैंड के केंद्रीय बैंक ने 2026 में अमेरिका और कनाडा में रखा लगभग 86 टन सोना हटाकर लंदन स्थानांतरित किया। इसके बाद न्यूयॉर्क में रखा उसका स्वर्ण हिस्सा लगभग 31 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत के आसपास रह गया। नीदरलैंड के केंद्रीय बैंक का तर्क था कि बदलते भू-राजनीतिक माहौल में स्वर्ण भंडार को अलग-अलग सुरक्षित स्थानों पर रखना बेहतर है और लंदन में रखा सोना संकट के समय अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। फ्रांस ने भी अमेरिका में रखा एक बड़ा हिस्सा हटाया, लेकिन उसके मामले को थोड़ा अलग तरीके से समझना जरूरी है। फ्रांस ने न्यूयॉर्क में रखे लगभग 129 टन पुराने सोने को बेचकर यूरोप में नए मानकों के अनुरूप सोना खरीदा। इसलिए इसे केवल अमेरिका पर अविश्वास का मामला नहीं कहा जा सकता। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि फ्रांस ने अपनी व्यवस्था में बदलाव किया और

भंडार को यूरोप के भीतर अधिक नियंत्रित ढांचे में रखा। जर्मनी का उदाहरण और भी पुराना है। उसने 2013 से 2017 के बीच लगभग 300 टन सोना अमेरिका से वापस फ्रैंकफर्ट मंगया था। हालांकि जर्मनी का एक बड़ा हिस्सा आज भी न्यूयॉर्क में रखा है। जर्मन केंद्रीय बैंक अब भी सार्वजनिक रूप से कहता है कि उसका सोना सुरक्षित है। इसके बावजूद जर्मनी के भीतर समय-समय पर यह बहस उठती रहती है कि राष्ट्रीय संपत्ति का इतना बड़ा हिस्सा विदेश में क्यों रखा जाए। इटली में भी यही सवाल उठ रहा है, क्योंकि उसके स्वर्ण भंडार का बड़ा हिस्सा अमेरिका में है। इस समय इटली ने कोई बड़ा वापसी अभियान नहीं



चलाया है, लेकिन बहस वहां भी तेज हुई है। इस पूरे बदलाव के पीछे सबसे बड़ा मोड़ रूस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को माना जा रहा है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस के केंद्रीय बैंक की लगभग 300 अरब डॉलर की विदेशी संपत्तियों को रोक दिया। यह घटना वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी चेतावनी बन गई। यही वह बिंदु है जहां सोने का महत्व फिर बढ़ता दिखाई देता है। अपने देश की तिजोरी में रखा सोना किसी विदेशी बैंक, किसी दूसरे देश की सरकार, भुगतान व्यवस्था या अंतरराष्ट्रीय मंजूरी पर निर्भर नहीं करता। अगर किसी देश की विदेशी नीति अमेरिका या यूरोप से टकरा जाए तो विदेश में रखी संपत्ति पर रोक लग सकती है, लेकिन अपने देश में रखा भौतिक सोना तत्काल राजनीतिक दबाव से बचा रहता है। यही वजह है कि कई केंद्रीय बैंक अब सोने को केवल निवेश नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की संपत्ति के रूप में देखने लगे हैं। दूसरी बड़ी वजह अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों और वित्तीय शक्ति के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर आशंका है। डॉलर की ताकत केवल इसलिए नहीं है कि वह मजबूत मुद्रा है, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि दुनिया का बड़ा व्यापार, बैंकिंग और भुगतान तंत्र उसी के इर्द-गिर्द बना हुआ है। इससे अमेरिका को असधारण प्रभाव मिलता

ईश्वर की प्राप्ति

जड़ जगत की रचना के लिए ईश्वर की जो शक्ति काम करती है, उसे प्रकृति कहते हैं और चैतन्य जगत की रचना करने वाली शक्ति को जीव कहते हैं। जिस प्रकार दोनों हाथ एक ही शरीर के दो भाग हैं, उसी प्रकार जीव और प्रकृति दोनों ही ईश्वरतत्व के दो अंश हैं। अध्यात्म तत्व के जिज्ञासु जिस ईश्वर की उपासना करते हैं, असल में वह अखिल आद्यशक्ति का सत्त्वगुणी अंश है। यानवीय उन्नति तो सत्व गुणों को प्राप्त करने से ही हो सकती है। इसलिए उन उच्च गुणों की एक मानसिक प्रतिमा बनाकर उपासना करने का विधान किया गया है। ईश्वर का सत्व गुण अदृश्य रूप से हमारे निकट ही वर्तमान है। उसे अधिक मात्र में खींचकर अपने अंदर भर लेने के लिए प्रेम, श्रद्धा, विश्वास और ध्यान अभ्यास की आवश्यकता होती है। इन्हीं चारों के समन्वय की ‘उपासना’ कहा जाता है। उपासना जितनी ही प्रबल होगी, आकर्षण भी वैसा ही सशक्त होगा और उसी के अनुसार उपास्य देवतत्व की प्राप्ति होगी। प्रेम, दया, करुणा, सहानुभूति, उदारता, त्याग, समता और न्याय आदि सद्गुणों का निष्ठापूर्वक जितना अधिक चिंतन किया जाता है, उतनी अधिक उनकी प्राप्ति होती है। उन्नति का क्रम तम से सत् की ओर चलना है। जिसने जितना ही सत्गुण अपने में धारण कर लिया, आध्यात्मिक दृष्टि से वह उतना ही उन्नतिशील कहा जाएगा। यदि एक भक्त सत् तत्व की उपासना करता है तो कोई कारण नहीं कि उसे वह प्राप्त न हो। ईश्वर की उपासना का तात्पर्य उसके दिव्य सत्तत्व की आराधना है।



करंट अफेयर

ब्रिटेन सरकार की प्रवासियों के विरोध में प्रदर्शन पर नाराजगी

ब्रिटेन सरकार ने सोमवार को इंग्लिश चैनल पार कर आए प्रवासियों के विरोध में दक्षिणी इंग्लैंड के एक बंदरगाह पर प्रदर्शन करने वाले प्रवासी विरोधी प्रदर्शनकारियों के ‘डराने-धमकाने वाले और उग्र व्यवहार’ की निंदा की। रविवार देर रात पोर्ट्समाउथ में सैकड़ों प्रदर्शनकारी पुलिस के सामने आ गए। इनमें से कई ने काले कपड़े पहन रखे थे और चेहरे ढक रखे थे। प्रदर्शनकारियों ने प्रवासियों को किनारे लाने वाली बचाव नौकाओं को रोकने का प्रयास किया। इसके बाद उन्होंने नए आए प्रवासियों को शरणार्थी आवेदन प्रक्रिया केंद्र तक ले जाने वाली बसों को भी रोकने की कोशिश की। सरकार ने एक बयान में कहा, ‘‘ शान्तिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमारे लोकतंत्र का मूल हिस्सा है, लेकिन इसे कभी भी अत्यवस्था की सीमा पार नहीं करनी चाहिए ।’पोर्ट्समाउथ में हुए इस प्रदर्शन से एक दिन पहले, शनिवार को डोवर में भी ऐसा ही प्रवासी विरोधी प्रदर्शन हुआ था। डोवर ब्रिटेन का सबसे व्यस्त नौका बंदरगाह है। वहां सैकड़ों नकाबपोश प्रवासी विरोधी प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और फ्रांस जाने वाले यात्रियों तथा मालवाहक वाहनों को परेशानी हुई।



शरीर को कुछ समय के लिए डबोया जाता है, ताकि रिकवरी बेहतर हो सके। लेकिन इसके फायदे को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण मिले-जुले हैं। वर्कआउट के बाद रिकवरी तेज करने के लिए कोशेन वस्त्र अमत्तरी पर पहन जाते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि इन वस्त्रों से बाहर से पड़ने वाला दबाव रक्त संचार को बेहतर करता है, मांसपेशियों तक रक्त का प्रवाह बढ़ाता है और सूजन कम करता है। मसाज रिकवरी के उन कुछ तरीकों में से एक है, जिसके समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण काफी हद तक लगातार मिलते रहे हैं।

हमारे विचार हैं मन का भोजन



संकलित

प्रेरणा



आज की पाती

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ भारत की मजबूत नींव

हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएँ। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना गलत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है - *प्रवीण कुमार, गवर्नौर*

ऑफ बीट

वर्कआउट के बाद रिकवरी के लिए अपना रहे कई तरीके

मुश्किल वर्कआउट पूरा करने के बाद हमेशा अच्छा महसूस होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद मांसपेशियों में दर्द और थिंकाव शुरू हो जाता है। यह परेशानी कई दिन तक रह सकती है और रोजमर्रा के आसान काम करना भी मुश्किल हो सकता है। इस दर्द से राहत पाने के लिए जिम जाने वाले लोग अब उन तरीकों को अपना रहे हैं, जो पहले केवल बड़े स्तर के खिलाड़ियों के लिए इस्तेमाल किए जाते थे। सोशल मीडिया और पेशेवर खेलों ने आइस बाथ, कोशेन वस्त्र, मसाज और रिकवरी सप्लीमेंट जैसी कई चीजों को लोकप्रिय बनाया है। रिकवरी के तरीकों में आइस बाथों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया है। इसमें 15 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान वाले पानी में

शरीर को कुछ समय के लिए डबोया जाता है, ताकि रिकवरी बेहतर हो सके। लेकिन इसके फायदे को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण मिले-जुले हैं। वर्कआउट के बाद रिकवरी तेज करने के लिए कोशेन वस्त्र अमत्तरी पर पहन जाते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि इन वस्त्रों से बाहर से पड़ने वाला दबाव रक्त संचार को बेहतर करता है, मांसपेशियों तक रक्त का प्रवाह बढ़ाता है और सूजन कम करता है। मसाज रिकवरी के उन कुछ तरीकों में से एक है, जिसके समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण काफी हद तक लगातार मिलते रहे हैं।

है। वह किसी देश, बैंक, कंपनी या व्यक्ति पर प्रतिबंध लगाए तो उसका असर केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया की वित्तीय व्यवस्था पर पड़ सकता है।

तौसरी वजह अमेरिका की बदलती विदेश और व्यापार नीति है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका ने अपने मित्र देशों पर भी शुल्क (टैरिफ) लगाए, व्यापारिक दबाव बनाया और सुरक्षा समझौतों को आर्थिक सौदेबाजी से जोड़ा। यूरोप में यह भावना बढ़ी कि अमेरिका पर हर परिस्थिति में भरोसा करना संभव नहीं है। यूरोप के लिए यह सवाल और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह दशकों से अपनी सुरक्षा और वित्तीय व्यवस्था में अमेरिका पर निर्भर रहा है। अब वहां रणनीतिक स्वायत्तता की चर्चा बढ़ रही है। इसका अर्थ है कि यूरोपीय देश सुरक्षा, ऊर्जा, रक्षा, वित्त और महत्वपूर्ण संपत्तियों के मामले में अपना स्वतंत्र ढांचा मजबूत करना चाहते हैं। सोने का स्थानांतरण इसी बड़ी सोच का एक हिस्सा माना जा सकता है। लेकिन यह कहना अभी गलत होगा कि दुनिया ने अमेरिका पर भरोसा खो दिया है। डॉलर आज भी विश्व की सबसे महत्वपूर्ण आरक्षित मुद्रा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, बैंकों के लेनदेन और सरकारी भंडार में उसकी भूमिका सबसे बड़ी है। यूरो, चीनी मुद्रा और अन्य मुद्राएं अभी डॉलर का पूरा विकल्प नहीं बन सकी हैं। देश अब यह पृष्ठ रहे हैं कि अगर उनके पास दस प्रकार की संपत्ति है तो वह सारी एक ही देश या एक ही वित्तीय व्यवस्था से क्यों जुड़ी हो। अगर उनका सोना पूरी तरह न्यूयॉर्क में रखा है तो उसका कुछ हिस्सा अपने देश या यूरोप में क्यों न रहे। सोने की बढ़ती मांग भी इसी का संकेत है। पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय बैंकों ने बड़ी मात्रा में सोना खरीदा है। यह केवल सोने की कीमत बढ़ने की कहानी नहीं है। इसके पीछे युद्ध, प्रतिबंध, महंगाई, सरकारी कर्ज, व्यापारिक तनाव और वैश्विक अस्थिरता की चिंता भी है। नीदरलैंड, फ्रांस या किसी अन्य देश के कुछ से टन सोने के स्थानांतरण से अमेरिकी अर्थव्यवस्था नहीं हिलेगी लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व बहुत बड़ा है। जब पुराने मित्र देश भी अपनी सबसे सुरक्षित संपत्ति को अमेरिका से बाहर ले जाने या उसका हिस्सा कम करने लगे, तो यह संकेत देता है कि वे भविष्य के जोखिम को लेकर अधिक सतर्क हो गए हैं। अमेरिका की असली चुनौती सोना नहीं, विश्वास है। विश्व शक्ति की असली ताकत केवल सेना, अर्थव्यवस्था और मुद्रा से नहीं आती, बल्कि इस भरोसे से आती है कि दूसरे देश उसकी व्यवस्था को स्थिर, न्यायपूर्ण और भरोसेमंद मानते हैं।

(लेखक करिष्म फत्तकर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।



शोधार्थियों से आग्रह

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ रोजगार हासिल करना नहीं, बल्कि आलोचनात्मक सोच व नवाचार को बढ़ावा देना होना चाहिए। शोधार्थियों ऐसे विषय चुनें जो समुदाय की समस्याओं का समाधान करें और समावेशी विकास को बढ़ावा दें।- सी. पी. राधाकृष्णन, उपराष्ट्रपति



आर्थिक वृद्धि बरकरार

भारत ने वैश्विक मू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद अन्य देशों के साथ जुड़ाव बढ़ाकर और रणनीतिक साझेदारियां कायम कर अपनी आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को कायम रखा है। भारत की जीडीपी ग्योथ 7.8 प्रतिशत रही। -अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री



आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं

पूर्ववर्ती सरकारों के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण पहिचम बंगाल की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। राज्य का नुकसान, चोरी और केंद्रीय योजनाओं में शामिल न होने के कारण राज्य व्यावहारिक रूप से दिवालिया हो गया है। हम खराब स्थिति में हैं और वित्तीय संकट से बाहर आने के लिए हमें एक वर्ष लगेगा। -शुभेन्द्र अधिकारी, सीएन, प. बंगाल



कानून-व्यवस्था जरूरी

विकास के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। पुलिस का काम सिर्फ आरोपियों को गिरफ्तार करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास की नींव मजबूत करना भी है। जो लोग कानून का पालन करते हैं, उनके लिए पुलिस दोस्त है और जो कानून नहीं मानते, उनके लिए पुलिस दुश्मन है। -जोसेफ विजय, सीएन, तमिलनाडु



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com



भिंड में भी जहरीली शराब से हुई थी मौतें, पर नहीं रुका माफिया का काम

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

सागर जिले के बंडा से करीब 18 किमी दूर उत्तर प्रदेश बार्डर के उगांव, बरेठी समेत तीन गांवों में जहरीली शराब के कहर से दर्जन भर से ज्यादा मौतें हुई हैं।

इसकी जानकारी के तत्काल बाद हालांकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लेते हुए पुलिस व आबकारी विभाग के अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की। किंतु एक बड़ा सवाल यह है कि पिछले सात सालों में जहरीली शराब से चार जिलों में 60 से अधिक मौते हुईं। किंतु मौतों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

तत्कालीन सरकार में उज्जैन से शुरू हुआ था सिलसिला

उज्जैन, मुरैना और मंदसौर में जहरीली शराब ने मचाया था कहर

►► मंदसौर में भी जहरीली शराब से हुई थी मौतें

इस घटना के कुछ ही महीनों बाद जुलाई 2021 में ही मंदसौर और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब का मामला सामने आया। एसआईटी ने जांच के बाद इसे स्प्यूरियस लिंकर से जुड़ी घटना माना था। उस समय करीब 11 मौतों की बात सामने आई थी। एक के बाद एक सामने आई इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया कि प्रदेश में अवैध शराब बनाने और दूसरे राज्यों से इसकी तस्करी रोकने के लिए बनी व्यवस्था आखिर कितनी प्रभावी है।

अक्टूबर 2020 में उज्जैन में जहरीली शराब से हुई मौतों ने पूरे प्रदेश को हिला दिया था। इस घटना में 16 लोगों की मौत जहरीली शराब पीने से हो गई थी। आनन फानन में गोपाल से अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा को जांच करने का जिम्मा दिया। उन्होंने बाकगढ़े जांच रिपोर्ट पेश की, किंतु इससे आज भी आबकारी विभाग ने कोई सबक नहीं लिया। विभागीय मंत्री ने भी इस मामले में कुछ नहीं किया। बताते हैं कि उस वक़्त विसरा जांव में कुछ मृतकों के शरीर में प्थिल और मिथाइल अल्कोहल मिलने की बात सामने आई थी। घटना के बाद अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई। इसके बावजूद कुछ ही महीनों बाद प्रदेश को इससे भी बड़े शराब कांड का सामना करना पड़ा।



फाइल फोटो।

सागर की घटना से भी आबकारी पर उठे सवाल

सूत्रों ने बताया कि प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध शराब खुद शराब ठेकेदारों की ओर से बिकवाई जा रही है। इस घटना में भी आबकारी ठेकेदार मनीष लोधी व नीरज लोधी के ठेके को जिम्मेदार माना जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि ठेकेदारों ने ही उगांव व बरेठी गांव में असली शराब के साथ नकली शराब की विक्री ग्रामीण एजेंटों से कराई है। चूंकि ठेकेदारों का गांव गांव तक नेटवर्क शुरू है। बताते हैं कि जिस बैच की शराब की विक्री उगांव व तीन गांवों में हुई। उसी बैच की शराब की सप्लाई कई जिलों में हुई, किंतु उन जिलों में कोई घटना नहीं हुई। जिस बैच की शराब से मौतें हुई हैं, वह नकली मानी जा रही है, उसे असली के साथ बेचा गया था। सूत्रों ने बताया कि उप्र के बार्डर के जिलों ललितपुर में नकली शराब का कारोबार है। वहीं से शराब यहां ले आकर बेचा गया है। पिछले करीब सात वर्षों में हर बड़ी घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने कार्रवाई की, अधिकारियों पर गाज गिरी और सरकार ने कानून भी सख्त किए, पर अवैध शराब बनाने और बेचने वाला नेटवर्क खत्म नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री ने कहा, वैश्विक मीडिया के समक्ष प्रस्तुत हुई मप्र की विकास दृष्टि

सरकार का उद्देश्य दीर्घकालिक विकास साझेदारी का विश्वसनीय मंच तैयार करना

►► नीति-निर्माताओं ने भाग लेकर वैश्विक निवेश एवं आर्थिक सहयोग के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से बातचीत में मप्र की औद्योगिक, अवसंरचनात्मक, पर्यटन तथा लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को वैश्विक मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए दीर्घकालिक विकास साझेदारी का एक विश्वसनीय मंच तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने मप्र की सिंगल विंडो प्रणाली, त्वरित स्वीकृति तंत्र, प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों तथा राज्य की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति को निवेशकों के लिए विशेष आकर्षण बताया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 27 की रूपरेखा से कराया कराया अवगत

►► विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण

डॉ. यादव ने विभिन्न देशों के वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों और वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए मध्यप्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों, लॉजिस्टिक क्षमताओं तथा आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 की रूपरेखा से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मप्र विनिर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, नवकरणीय ऊर्जा,

लॉजिस्टिक्स, शहरी अवसंरचना, प्रौद्योगिकी तथा नियातीन्मुख उद्योगों में उपलब्ध व्यापक निवेश अवसरों को रेखांकित करते हुए वैश्विक निवेशकों को राज्य के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दिया। इस संवाद ने मप्र और अंतर्राष्ट्रीय निवेश समुदाय के बीच दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारियों की संभावनाओं को और सुदृढ़ किया।



अरब संसद के अध्यक्ष मो. अहमद अल यामाही को जीआईएस पर 27 में निवेशों के साथ गोपाल आने का सीएम ने आमंत्रण पत्र सौंपा।

वारदात में एक अन्य किशोरी को किया शामिल, सोने का हार और 3.89 लाख रुपए बरामद

गेट की डुप्लीकेट चाबी बनाकर चार लाख की नगदी, जेवर चुराने वाली युवती गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित बिलाल कॉलोनी करौंद में मकान से बिना ताला टूटे चार लाख की नगदी और सोने का हार चुराने वाली चोर का पता लगा लिया है। चोर कोई और नहीं, बल्कि किरायेदार की बीस साल की बेटी निकली। उसने चोरी की वारदात में एक अन्य किशोरी को भी शामिल किया था। दोनों ने पहले लॉक की डुप्लीकेट चाबी बनाई फिर वारदात को अंजाम दे दिया। पुलिस ने आरोपी युवती और किशोरी से 3 लाख 79 हजार रुपए की नगदी और चुराया गया सोने का हार बरामद किया गया है।

पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड बरामद

हरिभूमि न्यूज़ ►► दुर्ग

पुलिस और एससीसी की संयुक्त टीम ने म्यूल बैंक खातों के जरिए साइबर ठगी की रकम का लेन-देन करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रामनगर निवासी यशपाल सिंह उर्फ लक्की पाजी (38) और रायपुर के सिंधी कॉलोनी निवासी हेमंत दास दखानी (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों की पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक, सिम कार्ड, मोबाइल फोन और बैंकिंग से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार साइबर अपराधियों द्वारा लोगों से ठगी गई रकम को एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर करने के लिए पुलिस बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया था, उनकी जांच की जा रही थी। बैंक खातों में हुए वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण और तकनीकी साक्ष्यों की जांच के दौरान इन दोनों आरोपियों की भूमिका सामने आई। इसके बाद ने ही पुलिस इनकी तलाश में जुटी हुई थी। सुपेला थाना पुलिस और एससीसी की विशेष टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 6 सितंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उनसे पूछताछ कर



साइबर ठगी से जुड़े नेटवर्क के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस की पूछताछ और शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपियों ने आर्थिक लाभ और कमीशन के लालच में अपने और अन्य लोगों के नाम से खुले बैंक खातों की पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और उनसे लिंक सिम कार्ड साइबर ठगों को उपलब्ध कराए थे। इसके बदले आरोपियों को दो से 15 हजार रुपए तक का कमीशन या अन्य आर्थिक लाभ मिलता था। बाद में साइबर अपराधी इन्हीं बैंक खातों में ठगी की रकम जमा कराते थे और अलग-अलग खातों के जरिए उस रकम को आगे ट्रांसफर कर देते थे। जांच में पुलिस को ऐसे बैंक खातों के इस्तेमाल के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस अब इन खातों में हुए लेन-देन और उनसे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पूछताछ कर रही है।

पीजी में किराए पर रहकर कर रहा था पढ़ाई

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए हादसे में दुर्ग के युवराज की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►► दुर्ग

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए इमारत हादसे में छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी छात्र युवराज सोनी (20) की मौत हो गई। युवराज विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। वह सत्य निकेतन स्थित पीजी में किराए पर रहकर पढ़ाई कर रहा था। युवराज मूल रूप से दुर्ग के पंचशील नगर का रहने वाला था। सत्य निकेतन में



इमारत हादसे की जानकारी सामने आने के बाद से ही परिजन उसकी तलाश और सलामती को लेकर चिंतित थे। हादसे के बाद युवराज के लापता होने की जानकारी सामने आई थी। बाद में उसकी मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में मातम पसर गया। युवराज भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष नितेश सोनी के छोटे भाई थे। परिवार ने हादसे में अपने युवा बेटे को खो दिया। युवराज की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के सदस्य दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► कांकेर

जिले के अंतगढ़ थाना क्षेत्र में महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज कंपनी के कर्मचारियों ने सरकारी कर्मचारियों को अपनी कंपनी में निवेश करने और 5 प्रतिशत कमीशन देने के साथ ही डेढ़ साल में पैसे दोगुने करने का झांसा देते हुए करीब 500 लोगों को अपने झांसे में लेकर उनकी जमा पूंजी के करीब 70 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए। मामले की रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने इस मामले से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि, पैसे निवेश कराने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का अंतगढ़ पुलिस ने पर्दाफाश किया है। महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज कंपनी में निवेश के नाम पर करीब 70 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया था। इस मामले से जुड़े दो आरोपियों को थाना अंतगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मुरैना में 24 मौतों से भी नहीं लिया था सबक

जनवरी 2021 में मुरैना जिले के छैरा और मानपुर गांवों में जहरीली शराब पीने से 24 लोगों की मौत हुई थी। कई लोगों की तबीयत बिगड़ी और कुछ पीड़ितों की आंखों की रोशनी तक प्रभावित हुई। यह घटना प्रदेश की सबसे बड़ी शराब त्रासदी में शामिल रही। इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद नवंबर 2025 में 14 आरोपियों को 10-10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

2022 में भिंड में फिर सामने आया मामला

जनवरी 2022 में भिंड जिले के इंद्रुखी गांव में कथित अवैध शराब पीने से चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि छह लोग बीमार हुए थे। पुलिस ने अवैध शराब बनाने के एक ठिकाने का पता लगाने का दावा किया था। घटना के बाद सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया और जांच के लिए एसआईटी बनाई गई।

बंडा पहुंचे नेता प्रतिपक्ष सिंघार, मृतकों के परिजनों को देंगे 50-50 हजार रुपए की सहायता

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार रविवार शाम सागर जिले के बंडा क्षेत्र में जहरीली



से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

शराब पीने से हुई मौतों के बाद घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। नेता प्रतिपक्ष ने सबसे पहले सागर मंडिकल कॉलेज पहुंचकर जहरीली शराब त्रासदी में उपचाररत पीड़ितों एवं उनके परिजनों

परीक्षा देकर भर्ती संविदा कर्मियों बिना परीक्षा नियमित नियुक्ति प्रदान करें, नियमित नियुक्ति में उनकी पूरी सेवा जोड़कर वरिष्ठता दी जाएं

जबलपुर। परीक्षा में अनारक्षित वर्ग हेतु 50 अंक, आरक्षित वर्ग हेतु 40 अंक का निर्धारण हो, सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त हो। यह मांग विद्युत फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी

पी पाठक, यू के पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे, सीताराम कुरचानिया, श्याम मोहन वर्मा, केदारनाथ अग्रवाल, धिमल महापात्र,अवनीश तिवारी, राजेश मिश्रा, दीपक मेमने, सुधीर मिश्रा,मोहन श्रीवास, योगेश पटेल, मोहित पटेल, अक्षय श्रीवास्तव, मनोज पाठक, दयाशंकर द्विवेदी, दिलीप पाठक, राजीव गुप्ता,आर के चौबे, गोस्वामी,सतेन्द्र सुखाने, अजय चौबे ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव उर्जा मनोष सिंह सचिव उर्जा एवं सौरमंड्री पावर मैनेजमेंट कंपनी विशेष गढ़पाले को पत्र प्रेषित कर कहा कि आपके सराहनीय निर्णय से लम्बे समय के बाद बिजली कंपनियों में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के हित में लगातार क्षतिग्रस्त होने और संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति देने हेतु लिए गए निर्णय के लिए मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने निकाले गए नये आदेश संविदा कर्मियों से पुनः परीक्षा लेकर नियुक्ति दी जाना इन संविदा कर्मियों के साथ संवेदनशील रवैए और सकारात्मक सोच के विपरित है। व्यों कि सभी संविदा कर्मी बिजली कंपनियों में विधिवत परीक्षा देकर पास होकर ही नियुक्त किए गए हैं। अतः महोदय जी 15 वर्षों से इंतजार कर रहे इन संविदा कर्मियों पर कृपा करें और इनसे बिना परीक्षा लेकर नियमित नियुक्ति प्रदान करें। इसी तरह नई नियुक्ति के लिए अनारक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 80 और आरक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 70 निर्धारित किए गए हैं जो बहुत ज्यादा है इससे



अधिकतर संविदा कर्मी सफल ही नहीं हो पाएंगे और इतने लम्बे इतजार के बाद भी उसी पद पर रह जाएंगे। इसमें भी कुछा संशोधन करने की कृपा करें। राकेश डीपी पाठक ने कहा कि तैनों विद्युत वितरण कंपनियों में लगभग 15 वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्ति प्रदान करने तथा उनकी बिजली कंपनियों में दी गई सेवा को जोड़कर वरिष्ठता दी जाए। नहीं तो सभी नियमित नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारी जुनियर हो जाऐंगे। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि परीक्षण

सहायक नियमित भर्ती 2013 में 1339 पदों पर (तैनों विद्युत वितरण कंप्नी हेतु) ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे । प्रतियोगी परीक्षा, साक्षात्कार एवं दस्तावेजों के सत्यापन पश्चात) जहां पर तैनों विद्युत कंपनियों ने कुल 1339 पदों पर नियमित परीक्षण सहायक कर्मी करने के पश्चात शेष लगभग 1550 उत्तीर्ण प्रतियोगियों को प्रतीक्षा सूची में शामिल करने हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंप्नी ने संविदा पर नियुक्ति प्रदान की गई एवं कुछ महीनों बाद इन्हीं प्रतीक्षा सूची में से तैनों वितरण कंपनियों ने सैकड़ों लोगों को नियमित नियुक्ति प्रदान कर दी गई जहां कुछ विद्युत दुर्घटना में काल के गाल में समा गए, कुछ लोगों ने स्वयं को अनुरक्षित समझते हुए विभाग से त्यागपत्र देकर अन्य केंद्रों एवं राज्य की सेवा में चले गए एवं कुछ विभाग की प्रतियोगी परीक्षाओं से रचनित होकर नियमित हो गए जबकि 'वर्तमान में उपरोक्त में से शेष बचे लगभग 650 कर्मचारी अब भी 13 वर्षों से सरकार के न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं जैसा की 2013 विधानसभा चुनाव पूर्व भाजपा घोषणा पत्र में भी विद्युत वितरण कंपनियों में कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की घोषणा की गई थी।

शराब के नशे में जीआई तार से घोंटा ससुर का गला

प्राँपर्टी विवाद के चलते दामाद ने की ससुर की हत्या, तीन आरोपियों की गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

धरसीवां पुलिस ने एक करोड़ रुपये की जमीन का रकम के विवाद में अपने ससुर मोहन निषाद की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी दामाद हेमराज निषाद समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि हेमराज ने शराब के नशे में विवाद के बाद जीआई तार से गला घोटकर ससुर की हत्या कर दी। इसके बाद चाचा रोहित निषाद और दोस्त संजय निषाद की मदद से शव को चादर में लपेटकर टाटा मैजिक में रखा और खारुन नदी में फेंकने के लिए ले जाने लगा। रास्ते में पुलिस की गश्ती टीम को देखकर आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए। बाद में पुलिस के बढ़ते दबाव के चलते मुख्य आरोपी हेमराज ने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस ने तलाशी ली तो चादर में बंधा था शव

पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें चादर में बंधा शव बरामद हुआ। वाहन पर लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस की जांच रावामाठा निवासी संजय उर्फ मोरखवज चौहान तक पहुंची। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी बस से बिलासपुर पहुंचे और रतनपुर में छिप गए थे। पुलिस की लगातार दबिश और बढ़ते दबाव के बाद मुख्य आरोपी हेमराज ने आत्मसमर्पण कर दिया।

दोनों ने साथ में शराब पी विवाद के बाद की हत्या

मृतक पठारीडीह निवासी मोहन निषाद ने हाल ही में करीब एक करोड़ रुपये में जमीन बेची थी। इस रकम में हिस्सेदारी और रुपये की मांग को लेकर उसका बड़े दामाद हेमराज निषाद से विवाद चल रहा था। करीब एक महीने पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। तीन सितंबर की रात मोहन ने हेमराज को शराब पार्टी के लिए बुलाया था। दोनों ने साथ में शराब पी। इसी दौरान जमीन बेचने से मिली रकम को लेकर फिर विवाद शुरू हो गया।

साक्ष्य मिटाने के लिए चाचा और दोस्त को बुलाया

हत्या के बाद हेमराज ने साक्ष्य मिटाने के लिए अपने चाचा रोहित निषाद और दोस्त संजय निषाद को बुलाया। दोनों ने शव को चादर में लपेटकर गाड़ी की टाटा मैजिक में रखा। इसके बाद शव को खारुन नदी में फेंकने के लिए रवाना हुए। चार सितंबर की रात करीब 1:15 बजे धरसीवां पुलिस की गश्ती टीम परसतराई इलाके में नहर पुलिया के पास तैनात थी। इसी दौरान पुलिस ने सामने से आ रही टाटा मैजिक को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर वालक ने वाहन पीछे किया और तेज रफ्तार में परसतराई बस्ती की ओर भागने लगा। पुलिस ने गश्ती वाहन से पीछा किया। आरोपियों ने शीतला मंदिर के पास टाटा मैजिक खड़ी की और अंदरों का फायदा उठाकर खेतों की ओर भाग निकले।

500 लोगों को लगाया चूना, अंतगढ़ थाना क्षेत्र का मामला

सरकारी कर्मचारियों को निवेश, रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 70 करोड़ रुपए लेकर हुए फरार



आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा

5 प्रतिशत व्याग का दिया गया तालाच

मामले की जानकारी देते हुए बताया जा रहा है कि महालक्ष्मी इंटरप्राइजेज कंपनी के संचालकों द्वारा कंपनी में पैसा निवेश करने पर 5 प्रतिशत व्याज (कमीशन) देने एवं डेढ़ साल में रकम दोगुनी करने का लालच दिया गया। आरोपियों द्वारा छत्तीसगढ़ के कांकेर, दत्तेवाड़ा, कोंडागांव, बीजापुर सहित अन्य क्षेत्रों के लोगों को झांसा देकर कंपनी में निवेश करवाया गया। आरोपियों द्वारा पीड़ित सरकारी कर्मचारियों एवं अन्य लोगों को अलग-अलग

बैंकों से लोन लेने के लिए निवेश करने और पूरे पैसे को अपनी कंपनी में लगाने के लिए कहा गया। कंपनी के कर्मचारियों द्वारा पैसे लिए गए कुछ लोगों को शुरूआत में कुछ किरातों का मुआवजा भी किया गया था। इसके बाद लोगों ने पैसा देना शुरू कर दिया। ऐसे बढ़ते के कारण बाद में आरोपियों ने निवेश करने वाले लोगों को पैसा देना बंद कर दिया और लोगों की जमा राशि करीब 70 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए।

मालवीय चौक में गूंजी कृष्ण भक्ति, चांदी की मटकी फोड़ी

ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज के आशीर्वाद से हुआ आयोजन



जबलपुर। संस्कार सेवा उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. सुधांशु गुप्ता के नेतृत्व एवं पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद महाराज के आशीर्वाद से मालवीय चौक में भव्य चांदी की मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में 15 हजार से अधिक लोगों की मौजूदगी में पूरा क्षेत्र कृष्णमय नजर आया। बच्चों ने कांहा के स्वरूप में मनमोहक

प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद मटकी फोड़ प्रतियोगिता में शहर की विभिन्न टीमों ने भाग लिया। मांडी व्यायाम शाला की टीम ने मटकी फोड़कर विजेता का खिताब हासिल किया। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, वरिष्ठ नेता विनोद गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अभिलाष पांडेय, जिला महामंत्री

सोनू बछवानी एवं रणजीत पटेल सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे। डॉ. सुधांशु गुप्ता ने कहा कि समिति का उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और समाज को एक सूत्र में जोड़ना है। उन्होंने आयोजन की सफलता पर सभी का आभार व्यक्त किया।

गरीब नवाज कमेटी ने कराया महिला का अंतिम संस्कार

जबलपुर। शहपुरा के मगरमुहा निवासी आरती विश्वकर्मा (45-50) की जिला अस्पताल विक्टोरिया के गैंग्रीन वार्ड में उपचार के दौरान मौत हो गई। पति श्याम विश्वकर्मा की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण वह पत्नी का अंतिम संस्कार कराने में असमर्थ था। आर्थिक तंगी के चलते वह पत्नी के शव को नर्मदा में विसर्जित करने की बात कह रहा था। इसकी जानकारी अस्पताल की नर्सों के माध्यम से गरीब नवाज कमेटी के

सदस्यों को मिली। सूचना मिलने पर कमेटी ने आगे बढ़कर महिला के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाई और ग्वारीघाट मुक्तिधाम में हिंदू रीति-रिवाज से पति श्याम विश्वकर्मा के हाथों अंतिम संस्कार कराया। इस मानवीय पहल में रियाज अली, माजिद अंसारी, मोहम्मद आरिफ, दीपक निगम, बच्छू नांकनी, रोहित सोनकर, यूसुफ मालगुजार एवं मोहसिन भाई का सहयोग रहा। कमेटी की इस पहल की लोगों ने सराहना की।



ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते में दो नाबालिग रेस्क्यू जबलपुर। रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत ट्रेन से दो नाबालिग बालकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाल गृह के सुपुर्द किया। 6 सितंबर को रेल मदद के माध्यम से सूचना मिली कि गाड़ी क्रमांक 12142 के जनरल कोच में दो नाबालिग बालक घर से भागकर यात्रा कर रहे हैं। सूचना पर उप निरीक्षक प्रवीण कुमार, सडिन सुखराम बेन, प्रधान आरक्षक रोहित कुमार तथा आरक्षक शिवकुमार वागरी ने ट्रेन अटेंड कर दोनों बालकों को खोजकर आरपीएफ पोस्ट जबलपुर लाया। पूछताछ में दोनों ने स्वयं को पटना (बिहार) निवासी बताया। इनमें एक की उम्र 14 और दूसरे की 13 वर्ष है। 7 सितंबर को उप निरीक्षक राजकुमार चन्देल ने आवश्यक कागजी कार्रवाई व चिकित्सकीय परीक्षण कराया। इसके बाद बाल कल्याण समिति (CWC) जबलपुर के निर्देश पर दोनों को शासकीय बाल गृह, जागृति, जबलपुर में सुरक्षित सुपुर्द किया गया।



कला के प्रति लगन और गुरुजनों का सम्मान विद्यार्थियों का कर्तव्य : संदीप जैन

जबलपुर। कलाविद स्व. भगवानदास गुप्ता की 95वीं जयंती पर कलाविद स्व. भगवानदास गुप्ता शैक्षणिक उत्थान समिति के तत्वावधान में शासकीय माध्यमिक शाला गोरखपुर में चित्रकला प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन ने की। उन्होंने कहा कि कला के प्रति लगन और गुरुजनों का सम्मान विद्यार्थियों का नैतिक कर्तव्य है। भगवानदास गुप्ता की कला यात्रा संस्कारधानी ही नहीं, देश-विदेश में भी प्रसिद्ध रही। कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि कला बच्चों में बचपन से ही होती है और ऐसे आयोजन प्रतिभा निखारने का माध्यम हैं। इस अवसर पर प्रमिला शर्मा, प्राचार्य अनीता तिवारी, सरिता ददरया, राजू खम्परिया, अर्चना शुक्ला व सुनीता रजक को शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं कला सामग्री प्रदान की गई। प्रो. अरुणा, डॉ. विनीता पांडेय, सुकेश चौरडिया, सुरेश जैन, रविचंद्र पत्नी, बुजेश गुप्ता, जय चकवर्ती, राजेश उरिया, किरण गुप्ता, अनिल सोनकर, रंजना गुप्ता, संजय नीखरे सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।



सुगम संगीत प्रतियोगिता में गूंजे लता के गीत

जबलपुर। उस्ताद अलाउद्दीन कला अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, मप्र शासन भोपाल के संयोजन में सुरप्रभा संगीत महाविद्यालय द्वारा दत्त मंदिर में लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जबलपुर संभाग के 90 प्रतिभागियों ने 'जिंदगी एक सफर...' सहित विभिन्न गीतों की प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि विख्यात कलाकार उस्ताद अनवर हुसैन, विशिष्ट अतिथि राज्य सूचना आयुक्त राजेश भट्ट व भोपाल की कलाकार मौसमी नंदी रहें। निर्णायक स्वप्ना मराठे (ग्वालियर), सुलेखा भट्ट (भोपाल) व सुनील भट्ट (सागर) रहे। जूनियर में अमोदीता राय प्रथम, केसर यादव द्वितीय, नंदनी विश्वकर्मा तृतीय व श्रुति चांदे चतुर्थ तथा सीनियर में विशेष भेवगाड़े प्रथम, राशि घंसेला द्वितीय, प्रगीत शर्मा तृतीय व उन्नती तिवारी चतुर्थ रहें। विजेताओं को 10, 5 व 3 हजार रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। दो सात्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। स्वागत डॉ. अमित कुमार दुबे व डॉ. मृदुला चौरसिया ने किया। संचालन अभिषेक भट्ट ने किया।



महाराष्ट्र व्यायामशाला में 21 जोड़ों ने किया रुद्राभिषेक

जबलपुर। महाराष्ट्र व्यायामशाला, मद्राताल में भक्ति और उत्साह के साथ भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। इसमें विशेष रूप से आमंत्रित 21 दंपतियों ने विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया। सभी जोड़े पूजन सामग्री एवं तांबे के अभिषेक पात्र लेकर आयोजन स्थल पहुंचे, जिससे परिसर शिवभक्ति के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य गुरुजी निमेष काले ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कराया। उन्होंने महिला एवं पुरुष साधकों को शास्त्रोक्त विधि से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कराया। अभिषेक के बाद भगवान शिव की आरती कर भोग लगाया गया तथा श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था पदाधिकारियों मंगला खोवले, रिसिता तुंगार, अंजलि अत्रे, सुजाता खसपोटे, स्नेहा आठले एवं रेणुका ढोले का सहयोग रहा। पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थी स्किल्स बनें और दूसरों को रोजगार दें : डॉ. गोंटिया



कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज में दीक्षारंभ 2026-27 का शुभारंभ

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में बीतेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो सप्ताह के दीक्षारंभ

2026-27 कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व छात्र एवं कृषि विश्वविद्यालय जुनागढ़ के पूर्व कुलपति डॉ. नरेन्द्र कुमार गोंटिया रहे। अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. एस.के. प्यासी ने की तथा डॉ. ए.के. राय विशिष्ट अतिथि रहे। डॉ. गोंटिया ने कहा कि विद्यार्थियों को कृषि

मशीनरी एवं उपकरण निर्माण का हुनर सीखकर दूसरों को रोजगार देने वाला बनना चाहिए। उन्होंने एआई, जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग के बढ़ते महत्व तथा हेल्थ फूड इंडस्ट्री और कृषि इंजीनियरिंग के भविष्य पर जानकारी दी। डॉ. प्यासी ने दो सप्ताह के कार्यक्रम की रूपरेखा

बताई। विद्यार्थियों ने वक्ताओं से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। संचालन एवं आभार डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव ने किया। डॉ. भारती दास, डॉ. एस.के. शर्मा, डॉ. अजय कुमार गुप्ता, डॉ. यशेश नारायण श्रीवास्तव सहित प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



पटवा समाज ने मनाया कजलियां मिलन समारोह

जबलपुर। पटवा समाज द्वारा अग्रसेन मंडपम में कजलियां मिलन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव रविंद्र प्रताप सिंह केहरी तथा विशिष्ट अतिथि मदनगोपाल पटवा, संतोष पटवा एवं अखिल भारतीय श्री पटवा वैश्य महासभा के आईटी सेल प्रभारी अखिल उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ माता महागौरी के पूजन से हुआ। समाजजनों ने एक-दूसरे को कजलियां उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता का संदेश दिया। नन्हे बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। वरिष्ठजनों ने समाज के सर्वांगीण विकास, शिक्षा एवं युवाओं के उत्थान के लिए एकजुटता पर जोर



दिया। अध्यक्ष डी.के. रतनेर ने समाज की प्रगति के लिए संगठन को मजबूत करने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। समारोह में सुदामा पाटिल, टी.सी. लखेरा, के.एल. तारन, अभय पाटकर, दुर्गाश चौहान, चंद्रकांत पटवा, मनोज

पाटकर, रामदयाल पाटिल, सुबोध पाटकर, विनय पाटकर, रामसेवक पाटकर व प्रमोद पाटकर सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए। सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट व छिंदवाड़ा से भी समाजजन पहुंचे। आभार चंद्रकांत पटवा ने माना।

ठक्कर ग्राम में जरूरतमंदों को राहत सामग्री वितरित

खिदमत खल्क भी इबादत है : मुपती-ए-आजम



जबलपुर। ठक्कर ग्राम वार्ड स्थित किलकारी गार्डन में पार्श्व एवं पूर्व एमआईसी सदस्य गुलाम हुसैन द्वारा जरूरतमंदों को निःशुल्क चरमे, वाकर, स्टिक एवं अन्य राहत सामग्री वितरित की गई। मुख्य अतिथि मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉ. मुशाहिद अहमद सिद्दीकी ने कहा कि खिदमत खल्क भी

इबादत है। उन्होंने गुलाम हुसैन की पहल को पीड़ित मानवता की सेवा बताया। अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया ने की। उन्होंने नेत्र शिविर में चयनित मरीजों को चरमे वितरण की पहल की सराहना की। समारोह में वरिष्ठ कांग्रेस नेता हाजी गुलाम मुहम्मद राईन, हाजी

मुहम्मद कदीर सोनी, सौरभ शर्मा, सरदार हाजी अब्दुल हकीम बाबा, हाजी सलीम खान, सरदार आमीन कुरैशी, हाजी अजहर खान, मुबीन पहलवान, ताहिर अली, शाबान मंसूरी व अशरफ मंसूरी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। संचालन एड. फिरदौस अहमद ने किया तथा आभार गुलाम हुसैन ने माना।



बलराम जयंती पर लगाई कृषि मॉडलों की प्रदर्शनी

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय में बलराम जयंती के उपलक्ष्य में कृषि विभाग द्वारा कृषि कलाओं से संबंधित मॉडल प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. अल्केश चतुर्वेदी ने की। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पारंपरिक कृषि विधियों के साथ आधुनिक तकनीकों पर आधारित आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें ड्रिप इरीगेशन, वर्षा जल संचयन, पॉलीहाउस, कंडूर बंडिंग, वर्टिकल फार्मिंग, ड्रोन

फार्मिंग एवं वर्मी कंपोस्टिंग प्रमुख रहे। विद्यार्थियों ने मॉडलों के माध्यम से कृषि को आधुनिक, टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने के उपाय बताए। मॉडल प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. विभा निगम, डॉ. पुष्पा तनेजा एवं डॉ. ममता गुप्ता शामिल रहें। उन्होंने विषय-वस्तु, उपयोगिता एवं प्रस्तुतीकरण के आधार पर मॉडलों का मूल्यांकन किया। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, डॉ. शैलप्रभा कोठा, डॉ. कविता चहल, डॉ. प्रज्ञा रामगिरी, डॉ. संज्ञा सिंह एवं डॉ. राजश्री त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने दिखाई नवाचार की झलक

स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज का 87वां वर्धापन दिवस कल

जबलपुर। हरे कृष्ण आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज, पूर्व नाम मिठाई लाल अग्रवाल 'मिठ्ठू भैया', का 87वां वर्धापन दिवस 9 सितंबर बुधवार को श्रद्धालुओं से मनाया जाएगा। आयोजन सुबह 11 बजे द्वा परिसर मदन महल थाने के सामने होगा। इस अवसर पर संतों का पूजन किया जाएगा तथा भगवान राधा रानी को भोग अर्पित कर प्रसादी वितरित की जाएगी। आश्रम के व्यवस्थापक डॉ. सुधीर अग्रवाल ने बताया कि स्वामी जी 86 वर्ष पूर्ण कर 87वें वर्ष में प्रवेश करेंगे।

वर्धापन दिवस के अवसर पर श्रद्धालु एवं आश्रम से जुड़े भक्तजन उपस्थित होकर स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आयोजन को लेकर आश्रम परिवार द्वारा तैयारियों की जा रही है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अदालतल जबलपुर आम इश्तहार
रा.प्र.क. 1633/अ-6/2026-27
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती लक्ष्मी रामजी पति स्व.लक्ष्मी नारायण रामजी निवासी 112 आलोक नगर धिवरजनदास वाई जबलपुर म.प्र. के द्वारा मौजा वेतला स्थित खसरा नंबर 38/6/ग रकबा 0.014 वर्गफुट जबलपुर के द्वारा पंजीकृत रिजि. विषय के माध्यम से भूमि वसीयतकर्ता स्व. लक्ष्मी नारायण रामजी से क्रय की गई भूमि पर राज्यस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने पंजीकृत विक्रयपत्र/दायमपत्र एवं कां. पी - 11 खसरा की छायापति संलग्न कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।उक्त भूमि पर वर्तमान खसरे में भूमि स्वामी के रूप में स्व. लक्ष्मी नारायण रामजी का नाम दर्ज है।
अतः उपरोक्त विक्रय पत्र/प्रीती नामांतरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 17/09/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अपना अधिकार के द्वारा पेश कर सकते हैं। नियत केशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।
न्यायालय की मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 03/09/2026 इश्तहार किया गया।
जारी दिनांक 03/09/2026
पेशी दिनांक 17/09/2026
नायब तहसीलदार अदालतल, जबलपुर

खबर संक्षेप

एक्सिस बैंक ने अराइज होमकमिंग लांच किया

मुंबई। एक्सिस बैंक ने अराइज होमकमिंग' पहल शुरू करने की घोषणा की। यह पहल उन भारतीय टैलेंट के लिए है जिन्होंने विदेश में पढ़ाई की है और जो भारत में करियर के मौके तलाश रहे हैं। एक्सिस बैंक की हायरिंग पॉलिसी को भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए प्रोग्राम अलग-अलग डिग्री, विषयों और संस्थानों के कैडिडेट्स का स्वागत करता है, जिसमें स्किल्स, क्षमता और रोल के लिए उपयुक्तता पर खास जोर दिया जाता है।

एजेस का प्लान अब पॉलिसीबाजार पर

मुंबई। एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने आज देश के सबसे बड़े ऑनलाइन इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म, 'पॉलिसीबाजार' पर अपने प्रमुख टर्म इंश्योरेंस उत्पाद 'सुपर प्रोटेक्ट प्लस प्लान' को लॉन्च करने की घोषणा की। यह योजना विशेष रूप से नौकरपेशा और खुद का व्यवसाय करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई है। इस लांच से कंपनी की डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन मौजूदगी और मजबूत होगी, साथ ही एक आसान और ऑनलाइन खरीदारी के माध्यम से लोगों के लिए जीवन बीमा लेना अधिक सुलभ हो जाएगा।

बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स में 16 शिक्षक राष्ट्रीय विजेता

नई दिल्ली। देशभर के 16 उत्कृष्ट शिक्षकों को शिव नाडर फाउंडेशन ऑक्सफोर्ड सईद इंडियाज बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड्स 2026 का राष्ट्रीय विजेता घोषित किया गया है। पुरस्कार के पहले संस्करण में देश के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 9,400 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। विजेताओं की घोषणा शिव नाडर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल के दौरान की गई। देशभर से चयनित 79 शिक्षकों ने जूरी के समक्ष अपनी अभिनव शिक्षण पद्धतियों में किए गए प्रयोगों पर उनके प्रभाव से जुड़े परिणाम प्रस्तुत किए।

अमिताभ ने जेन जी के नजरिए की सराहना की

मुंबई। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के हालिया एपिसोड में मेजबान अमिताभ बच्चन ने जेन जी पीढ़ी के जीवन के प्रति ताजगी भरे नजरिए की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी खुश रहने के लिए किसी बड़ी वजह या जीवन के पूरी तरह परफेक्ट होने का इंतजार नहीं करती।

राशिफल

	वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।
	आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
	आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।
	मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।
	आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। वैयर्थीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान
	पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।
	आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु वैयर्थीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।
	मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।
	व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।
	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु वैयर्थीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।
	स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती हैं।
	शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

100 से अधिक विजेताओं के लिए 75 लाख रु. का पुरस्कार

एजेसी ►► हैदराबाद

हैदराबाद में आयोजित होने वाले पिंग पावर रन 3.0 (पिंग पावर रन 3.0) में इस बार पहली बार 21.097 किमी का हाफ फॉर्मूलेशन शामिल किया गया है, जिसमें स्माम्स (एआईएमएस- एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस) को आधिकारिक आधिकारिक (सर्ट बिजनेस) द्वारा प्राप्त किया गया है। सुधा रेड्डी फाउंडेशन और एमईआईएल फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'पिंग पावर रन 3.0' इस वर्ष बड़े स्तर पर आयोजित की जाएगी। 27 सितंबर को पीपुल्स प्लाजा, नेकलेस रोड पर होने वाले आयोजन में 20 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन में 100 से अधिक विजेताओं के लिए कुल 75 लाख रुपए का पुरस्कार पूल रखा गया है।

एआईएमएस मान्यता प्राप्त हाफ मैराथन पहली बार शामिल

►► पिंग पावर रन 3.0 में 20 हजार से अधिक प्रतिभागियों का लक्ष्य

►► आयोजन 27 सितंबर को होगा



सीआईआई हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल टेक समिट 2026 आज

एआई, मेडटेक और स्मार्ट हॉस्पिटल पर मंथन, देश-विदेश के दिग्गज शामिल होंगे

एजेसी ►► मुंबई

भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तकनीक और नवाचार की बढ़ती भूमिका के बीच सीआईआई हेल्थकेयर और हॉस्पिटल टेक समिट 2026 का आयोजन मंगलवार मुंबई में किया जाएगा। सम्मेलन में नीति-निर्माताओं, अस्पतालों के वरिष्ठ अधिकारियों, हेल्थकेयर कंपनियों, टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों, निवेशकों और वैश्विक हितधारकों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य, तकनीकी बदलाव और नवाचार पर चर्चा होगी।

सम्मेलन के प्रमुख केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक) और स्मार्ट अस्पताल रहेंगे। भारत और स्मार्ट हॉस्पिटल्स के लिए एआई 2030 जैसे सत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक तकनीक-सक्षम, कनेक्टेड और प्रभावशाली बनाने की ताकत पर विचार-विमर्श होगा। इसके अलावा फ्यूचर ऑफ मेडटेक, फ्यूचर ऑफ थेरप्यूटिक्स, क्लिनिकल रिसर्च और डिजिटल एंड कनेक्टेड हेल्थकेयर जैसे विषय भी महत्वपूर्ण सत्रों में शामिल हैं। कार्यक्रम में महाराष्ट्र सरकार के मार्केटिंग एवं मनोवैज्ञानिक



हेल्थकेयर फाइनेंसिंग पर चर्चा

समिट में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल, हेल्थकेयर फाइनेंसिंग और छोटे और मध्यम वर्ग के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही विकसित भारत 2047 के संदर्भ में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रौद्योगिकी नवाचार और भविष्य की आवश्यकताओं पर विचार किया जाएगा।

सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र के 5वें सीआईआई डॉक्यूआर हेल्थ इन्वोवेशन अवार्ड्स 2026 भी सम्मेलन का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

कल्याण मंत्री जयकुमार रावल एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अभिषेककर आएंगे। सीआईआई हॉस्पिटल टेक 2026 के दशक एवं पीढ़ी हिंदुजा हॉस्पिटल एवं मेडिकल रिसर्च सेंटर के डिप्टी चीफ एक्ज्यूटिव अधिकारी जॉय चक्रवर्ती,

सम्मेलन में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल, हेल्थकेयर फाइनेंसिंग और छोटे और मध्यम वर्ग के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही विकसित भारत 2047 के संदर्भ में स्वास्थ्य सेवाओं में प्रौद्योगिकी नवाचार और भविष्य की आवश्यकताओं पर विचार किया जाएगा।

सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र के 5वें सीआईआई डॉक्यूआर हेल्थ इन्वोवेशन अवार्ड्स 2026 भी सम्मेलन का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

हेल्थकेयर नेतृत्व और उद्योग की व्यापक भागीदारी

सम्मेलन में एनएबीएच के चेयरपर्सन एवं कोइला फाउंडेशन के सह-संस्थापक एवं निदेशक रिजवान कोइला, जाइडस हॉस्पिटल्स के गुप सीईओ डॉ. साजन नायर, पारस हेल्थ के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. हरमिंदर नागर, एचडीएफसी एगों के सीईओ एवं एमडी पार्थालि घोष, दानहेर के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय मुदेश्वर और वॉकहाट हॉस्पिटल्स के सीईओ डॉ. पराग आर रिदानी समेत स्वास्थ्य एवं उद्योग क्षेत्र के कई दिग्गज अधिकारी शामिल होंगे। इसके अलावा टाटा कैंसर केयर फाउंडेशन, फोर्टिस हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, ज्यूपिटर हॉस्पिटल, डॉ एल एच हरिनंदानी हॉस्पिटल, लॉलावती हॉस्पिटल, अदानी हेल्थकेयर, मेडिकवर हॉस्पिटल्स, केआईएमएस हॉस्पिटल और अन्य प्रमुख अनुयायियों के प्रतिनिधि भी विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे हैं।

पद्मश्री डॉ. रमाकांत देशपांडे, सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अल्पा अंतानी एवं दक्षिण एशिया के महामहिम व्यापार आयुक्त एवं पश्चिमी भारत के उप उच्चायुक्त हरजिंदर कांग समेत कई प्रमुख हस्तियां भी सम्मेलन में शामिल होंगे।

केंद्र सरकार ने बदला रिफिल बुकिंग का नियम अब 25 दिन में बुक होगा नया गैस सिलेंडर, 45 दिन का इंतजार खत्म

एजेसी ►► नई दिल्ली

एलपीजी सिलेंडर की दोबारा बुकिंग के लिए अब उपभोक्ताओं को 45 दिन का इंतजार नहीं करना होगा। केंद्र सरकार ने रिफिल बुकिंग की अवधि घटाकर 25 दिन कर दी है। नई व्यवस्था सोमवार लागू कर दी गई है। केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन मंत्री सुरेश



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक भोपाल सर्कल ने सीएसआर के तहत रायपुर में स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी दो पहल कीं। बैंक की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर को 33.16 लाख रुपए की 'एडवांसड लाइफ़ केयर एम्बुलेंस' प्रदान की गई। जरूरतमंद एवं बीपीएल परिवारों की 50 महिलाओं को मुताबिक, मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और उसके कारण तेल एवं गैस कंपनियों पर बने दबाव के चलते पहले रिफिल बुकिंग के बीच का अंतर बढ़ाया गया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)					
N.I.T. No./PWD/16/PRO No 535			दिनांक निविदा सूचना		
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।			Date 03/09/2026		
क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समाप्ति एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_533568-1	सभाग. क्र. 16 ठेकरागाम वार्ड अंतर्गत नईम के मकान से आसिफ हार्डयर के मकान तक नाली निर्माण एवं सबक का सीमेंटीकरण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह 2.60 लाख	2000/- 2609/-	15/09/2026
नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।					
समाग्रीय यंत्री/ कार्यपालन यंत्री (लोककर्म) नगर पालिक निगम जबलपुर					

शब्द पहेली - 6341

	1	2	3	4	5	6
7						
			8			9
		10			11	12
13				14		15
					16	
			17			
19	20		21		22	
				23		24
26		27	28			
					29	
		30	31		32	
				33		
34	35		36			37
38				39		

बाएँ से दाएँ

- सहयोग की भावना-5
- अकस्मात,एकाएक-4
- पराजय-2
- नाव चलाने वाला-3
- भीगा हुआ-2
- अनुवाद-4
- बेल-2
- योग्य,सही-3
- घोडा गाड़ी-2
- काव्य,गजल-3
- अद्वैतभाव,कुर्बान-2
- नामकरण-2,3
- राजा का महल-5
- प्रेम,ममता-2
- कपड़े की दीवार-3
- रास्ता,मार्ग-2
- सिर,खोपड़ी-3
- माप-2
- गुस्सा करना-4
- व्यंग,चुट्टीली बात-2
- नायक,नेता-3
- एक आँख वाला-2

ऊपर से नीचे

- महोदय (अंग्रेजी-2)
- डरपोक,भीरू-3
- व्यंग कसना -5
- बुद्धि-3
- झुका हुआ-2
- कर देने वाला-4
- चोरी करना,छीनना (मु-2,3)
- तहखाना-4
- एकटक देखना-2
- विद्योग,जुड़ाई-3
- आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
- खुजली-2
- घोटना,मंथन करना-3
- पत्र,चिट्ठी-2
- रास्ता-2
- सुरांधित होना-4
- बिजली का

कौंधना-5

- कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
- भगवान,ईश्वर-4
- पेड़ का मध्य भाग-2
- पटाछे की बाती,-3
- अभिव्यक्ति-3
- नृत्य,डांस-2
- छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली- 6340 का हल

क	व	र	ल	न	म	क	स	र
म	ज	व	ह	र	कु	श	ल	य
न	व	व	दा		कि	न	त	
नी	था	आ	स	न	र	न		
र	ल	व	ह	व्या	का			
क	ति	म	क	र	क	र		
ह	म	ल	ल		म	ये	शी	
ये	प	र	व	रि	जा	र	फ	
ली	स	य	य	य	ल			
र	ह	म	त	घ	ब	य	ना	

गुप्त ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग और नेनोग्राम की पहल

फाउंडेशन ने एआईजी हॉस्पिटल्स के साथ मिलकर 'माइल्स फॉर मेमोग्राम्स' पहल शुरू की है। इसके तहत प्रतिभागियों की प्रत्येक 100 किमी की सामूहिक रनिंग पर एक जरूरतमंद महिला की गुप्त ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग और मेमोग्राम कराया जाएगा। आयोजन से एचपीसीएल, बीपीसीएल, आईओसीएल, एआईजी और डेकाथलॉन सहित कई प्रमुख ब्रांड जुड़े हैं। इसके साथ ही ग्लोबल वर्चुअल रन के माध्यम से विदेशों में रहने वाले प्रतिभागियों को भी इस अभियान से जुड़ने का अवसर मिलेगा। पिंग पावर रन 3.0 के माध्यम से आयोजकों का लक्ष्य फिटनेस और सामाजिक जागरूकता को एक साथ जोड़ते हुए ब्रेस्ट कैंसर की समय पर जांच के महत्व को व्यापक स्तर पर सामने लाना है।

10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की रनिंग कैटेगरी में

इस संस्करण में पहली बार 21.097 किमी की एआईएमएस मान्यता प्राप्त हाफ मैराथन आयोजित की जाएगी। इसके अलावा प्रतिभागियों के लिए 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की रनिंग कैटेगरी भी रखी गई हैं। आयोजन का उद्देश्य फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

पीपुल्स यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 16 सितंबर से होगी

50 विद्यार्थी टीमें लेंगी हिस्सा, नवाचार और समाधान पर होगा फोकस

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

पीपुल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल में विद्यार्थियों की नवाचार, रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2026 का आयोजन 16 और 17 सितंबर को किया जाएगा। दो दिवसीय आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की 50 विद्यार्थी टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतिभागी टीमें वास्तविक जीवन से बदलने का अवसर देते हैं। विभिन्न संकायों और विषयों के विद्यार्थियों की सहभागिता से अंतर-विषयक सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।आयोजन से विद्यार्थियों में नेतृत्व, टीम भावना, समय प्रबंधन और उद्यमशीलता जैसे कौशल विकसित होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय के अनुसार, 50 टीमों की भागीदारी वाला यह आयोजन संस्थान की नवाचार, अनुसंधान, तकनीकी शिक्षा, उद्यमिता और कौशल विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



आइडिया से समाधान तक का सफर

हैकाथॉन के दौरान टीमें चयनित समस्या के विवरण पर लगातार काम करेंगी और अपने समाधान, प्रोटोटाइप एवं तकनीकी मॉडल तैयार करेंगी। विद्यार्थियों को फैकल्टी मेंटर्स, विषय विशेषज्ञों और तकनीकी विशेषज्ञों से आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा।टीमों का मूल्यांकन नवाचार, तकनीकी व्यवहार्यता, समाधान की प्रभावशीलता, उपयोगिता, विस्तार की संभावनाओं, सामाजिक प्रभाव और प्रतुतिकरण जैसे मानकों के आधार पर किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को निर्धारित प्रक्रिया और दिशा-निर्देशों के अनुसार आगामी स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2026 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकता है।

बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया 121वां स्थापना दिवस ग्राहक सम्मेलन, स्वास्थ्य शिविर और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

बैंक ऑफ इंडिया ने भोपाल जोनल कार्यालय और जोन के अंतर्गत सभी शाखाओं में अपना 121वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर सांस्कृतिक, सामाजिक और समुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, वित्तीय समावेशन और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।



प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय चंद्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिण्डौरी, मध्यप्रदेश
(प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान PM USHA)
(NAAC ACCREDITED "B" GRADE)
E-Mail ID: hegccdin@mp.gov.in, principal.dindori@gmail.com
Website: www.mphighereducation.nic.in/gcvdindori

शुद्धि पत्र

एम.पी.ई. टेंडर पोर्टल पर कम्प्यूटर एवं II उपकरण क्रय हेतु आई.डी. 2026_HED_533520 निविदा दिनांक 03.09.2026 को जारी की गई थी। जिसके स्पेसिफिकेशन को अद्यतन करते हुए संशोधित किया गया है, जिसका अवलोकन एम. पी. ई. टेंडर पोर्टल (<http://mptender.gov.in>) पर किया जा सकता है। निविदा की शेष शर्तें नियम यथावत रहेंगी।

प्राचार्य
शासकीय चंद्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिण्डौरी, मध्यप्रदेश

सूडोकु बवताल - 6351

5	9			3		8	7
8	7		1		5		
		2			9		4
	6				2	3	5
3	8		4	1	7	2	9
2	4		6				1
7		3			8		
			5		8	7	3
9	3		2			6	1

सूडोकु बवताल - 6350 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
6	9	1	2	3	4	6	7	5
8	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7





लोकधुन में बसा स्त्री का घर-संसार



आवरण कथा
कल्पना मनोहरा, साहित्यकार

भारत भूमि की सांस्कृतिक चेतना में त्योहार केवल उल्लास का अवसर नहीं, बल्कि परंपरा, संबंध और सामूहिक स्मृति को सहेजने का माध्यम भी रह है। इन त्योहारों और परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संजोने में स्त्री की महती भूमिका रही है। मेहनत के फलने-फूलने से लेकर जन्म, मुंडन, कर्णछेदन जैसे अनेक संस्कारों तक जीवन के विविध पड़ाव उत्सवों में निहित रहे हैं। उन्नीसवीं शताब्दी के परिप्रेक्ष्य में हरतालिका तीज को समझें तो सहज ही प्रश्न उठता है कि उस समय स्त्रियां तीज कैसे मनाती होंगी? उनके पास सुविधाएं कम और असुविधाएं अधिक थीं। फिर भी हर व्रत और त्योहार को वे ब्याह की पियरी या शादी के जोड़े में खुशी-खुशी मना लेती थीं। आलता से पांव ही नहीं, हाथ भी रंग लेती थीं। पति स्वस्थ रहे, सुहाग की उम्र बढ़े, परिवार जुड़ा रहे और पति का काम-रोजगार बढ़ता रहे, ऐसी कामनाएं उनके हर उपवास में निहित रहती थीं। यही कामनाएं धीरे-धीरे उनके जीवन के संकल्प और अभीष्ट का रूप ले लेती थीं। जब व्रती स्त्री अपनी कलाई में हल्दी में रंगा कच्चा सूत बांधती, तो वह धागा केवल धागा नहीं रह जाता था, वह विश्वास, समर्पण और संकल्प का प्रतीक बन जाता था। उस दौर में उत्सव मनाने के साधन कम थे, लेकिन उत्सव में प्रेम, आस्था और सामूहिकता की प्रगाढ़ता बहुत थी।

उन्नीसवीं सदी का सामाजिक परिवेश: उन्नीसवीं शताब्दी का भारत आज से बहुत अलग था। न हाईवे थे, न ही फ्लाईओवर। लोगों के पास मोटर साइकिल-स्कूटर होना भी नियामत होती थी। पगडंडियों पर चलकर लोग रिश्तेदारी निभाने साल भर यहां से वहां आते-जाते रहते थे। सुविधाओं का संसार सीमित था, लेकिन इन्हीं सीमाओं के बीच रिश्तों और उत्सवों की अपनी जीवंत दुनिया थी। इन्हीं व्रत-पर्वों में से एक भाद्रपद की तृतीया तिथि को तीज मनाई जाती थी। व्रती स्त्री के साथ घर की अन्य स्त्रियां भजन-कीर्तन करतीं और सामूहिकता के इस भाव से मानो भूख के प्रभाव को कम कर देती थीं। हरतालिका पूजा की तैयारियां यहीनो पहले से शुरू हो जाती थीं। तरोई के हर पत्तों के रंग से दीवार रंगना, चावल के ऐपन से अल्पना

बनाना हो या अन्य सामग्री जुटाना, स्त्रियां खुशी से झूम-झूम चलतीं। कथा कही जाती। गीत गाए जाते। बड़ी स्त्रियां रीति और स्मृति, नई नवेलियों को गीतों के माध्यम से सौंप देती थीं। **पूजा, प्रतीक और स्त्री की श्रद्धा** : हरतालिका तीज के दिन व्रत, पूजा, कथा और जागरण के बीच स्त्री का दिन एक अलग अनुशासन में चलता रहता था। तीज पर शिव-पार्वती की पूजा होती। मिट्टी या बालू से उनकी प्रतिमाएं बनतीं। खेतों से दो हाथ गहरा गड्ढा कर आराध्य के रूप गढ़ने के लिए माटी आती। पार्वती का तप और उनका संकल्प व्रती स्त्री के लिए केवल कथा नहीं होता, बल्कि उसके अपने जीवन-संघर्ष और आकांक्षाओं का प्रतीक भी बनता। तप में धैर्य, प्रतीक्षा में विश्वास और संकल्प में मन की इच्छा को थामे रखने की शक्ति को समझा जाता। दिन भर का व्रत जब शरीर को साधता, तो मन को भी एक नई दिशा मिलती।



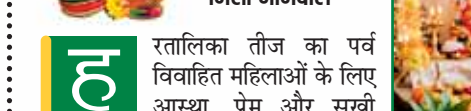
लहटी, बिंदी, साड़ी और कपड़ों को मां के द्वारा सहेजकर रखना। छोटी-छोटी चीजों में तीज का उत्सव उतरता। विवाह के बाद स्त्री का जीवन बदल जाता। घर, संबंधों का संसार और जिम्मेदारियां बदल जातीं। लेकिन मायका उसके भीतर वैसा ही बसा रहता। मां की आवाज, पिता का आंगन, भाई की हंसी, बहनों की चुहल और सहेलियों के साथ बिताए वे दिन। उत्सव के दिनों में इन स्मृतियों का लौट आना रिश्तों की गरिमा और उनकी भावनात्मक निरंतरता का पर्याय बन जाता। **गीतों में बसता स्त्री संसार**: तीज का व्रत हो और गीत न गाए जाएं, ऐसा हो नहीं सकता। मौन स्त्रियों के पास कहने के लिए बहुत कुछ होता था, जिसे वे सीधे न बोलकर गीतों के माध्यम से कहतीं, सुनातीं और बिसूरी रहती थीं। उनके गीतों में झूले थे, प्रेम था, मायके की याद थी। भाई की प्रतीक्षा थी। इस तरह लोकगीत उनके लिए केवल उत्सव का हिस्सा नहीं, बल्कि

हमारे सभी पर्वों में लोक जीवन है, इनकी बहुत ही मोहक संस्कृति है, जो हमें उल्लासित करती है। इस लोक संस्कृति को स्त्रियां सहेजती हैं, पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाती हैं। हरतालिका तीज जैसे लोक पर्व को भी बदलते समय के साथ स्त्री ने सहेजा है। बीते समय और आज के आधुनिक तकनीकी दौर में स्त्री ने बड़ी खूबसूरती से तादात्म्य वैठाकर तीज की मूल भावना सहेज रखी है।

मन की अभिव्यक्ति और अनुभवों को साझा करने का माध्यम भी थे। लोकगीतों ने स्त्रियों के अनुभवों को केवल बचाया नहीं, उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुंचाया भी है। यही कारण है कि लोकगीत स्त्री की स्मृतियों, अनुभवों और सामाजिक जीवन के मौखिक दस्तावेज बन जाते हैं।

लोक-मंगल की भावना और उत्सव: तीज की प्रार्थना केवल अपने तक सीमित नहीं थी। स्त्री पति के मंगल के साथ बच्चों के सुख, परिवार की सुरक्षा, घर की समृद्धि और संबंधों की मिठास की कामना करती थी। उसकी प्रार्थना में निजी आकांक्षा के साथ पूरे परिवार और समाज के कल्याण की भावना भी जुड़ी थी। यही लोक-मंगल का भाव था। पूजा में बैठकर वह अपने पूरे संसार का मंगल मांगती थी। इस अर्थ में उसकी प्रार्थना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सीमित परिस्थितियों के बीच अपने जीवन और संसार के प्रति

उसकी सक्रिय आकांक्षा की अभिव्यक्ति भी थी। इसलिए तीज को केवल पति की दीर्घायु का व्रत मानना उसके भाव-संसार को छोटा करना होगा। उसमें दांपत्य के साथ मातृत्व, बेटी होने की स्मृति, परिवार की चिंता भी निहित है। **डिजिटल होते समय की परिधि में तीज**: आज हरतालिका तीज आती है तो बाजार ही नहीं, शहर और गांव भी रोशन हो उठते हैं। पूजा-पद्धति बदल गई है। रिश्तों को निभाने के तरीके बदल गए हैं। इस बदलते उत्सवी संसार को बाजार ने भी समझ लिया है और उसने स्त्री की हर मनोकामना को अपनी वस्तुओं और सेवाओं से जोड़ने की कसम मानो उठा ली है। छोटा-बड़ा त्योहार आने की देरी होती है, रीलों और यू-ट्यूब चैनल पर वीडियो पोस्ट करने के लिए घर में लोकेशन पहले चुनी जाती है। मायका मोबाइल में हर वक्त मौजूद रहने लगा है। मां की आवाज सुनने को बेटीयां तरसती नहीं। भाई का नेह-छोह संदेश बनकर पहुंच जाता है। तकनीक ने उत्सव के रूप और उसकी अभिव्यक्ति को बदला है, लेकिन रिश्तों की आत्मीयता को नए माध्यम भी लगातार जीवित रख रहे हैं। बदलते परिवेश के साथ स्त्री की दृष्टि और आकांक्षाएं भी बदली हैं। फिर भी स्त्री अपनी लोकधुन में समय, समाज और सृजन की बदलती तकनीकों को आत्मसात करते हुए परंपरा और परिवर्तन के बीच एक जीवंत सेतु बनाती चलती है। इसीलिए तीज उसके लिए केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि बदलते समय में अपनी स्मृतियों, संबंधों और आकांक्षाओं को नए अर्थ देने की निरंतर प्रक्रिया भी है। a



हरतालिका तीज पर पति-पत्नी लें रिश्ते को मजबूत करने का संकल्प

आज के व्यस्त जीवन में जब पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होते हैं, एक-दूसरे को समय नहीं दे पाते। दांपत्य जीवन में प्रगाढ़ता बनी रहे, इसके लिए पति-पत्नी छोटे-छोटे वादे एक-दूजे से करते रहें। इस हरतालिका तीज पर इन्हें अमल में लाने का संकल्प भी लें।

सलाह
निशा जोनवाल

हरतालिका तीज का पर्व विवाहित महिलाओं के लिए आस्था, प्रेम और सुखी दांपत्य जीवन की कामना लिए आता है। आज के समय में अधिकांश पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग होने के कारण अपनी जिम्मेदारियों में व्यस्त रहते हैं, एक-दूसरे के साथ समय नहीं बिता पाते। नवविवाहित पति-पत्नी शुरू में एक-दूसरे के साथ खूब समय बिताते हैं। साथ रहने के लिए बहाने ढूंढते हैं, घूमने-फिरने जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद यह दांपत्य जीवन नौकरी, बच्चे और घर की अन्य जिम्मेदारियों तक सिमट जाता है। अगर बात होती भी है तो सिर्फ पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर। ऐसे में हरतालिका तीज के दिन पति-पत्नी दोनों कुछ पल प्यार भरे जरूर गुजारें, साथ ही कुछ ऐसे संकल्प लें, जो उनके दांपत्य जीवन को प्रगाढ़ और मधुर बनाएं। ये संकल्प क्या हो सकते हैं, जानिए-

जिम्मेदारियों को साथ-साथ निभाएं: आज के समय में पति-पत्नी दोनों ही जाँब करते हैं। बावजूद इसके बहुत से मामलों में घर की जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा महिलाओं के हिस्से आता है। नौकरी के साथ सुबह बच्चों को स्कूल भेजने से लेकर शाम को बाजार से सामान लाने तक महिलाओं की भूमिका अधिक देखी जाती है। नौकरी और घर की इन जिम्मेदारियों से महिलाओं में थकान और तनाव बढ़ता है, जिसका असर दांपत्य जीवन पर भी देखा जा सकता है। इसलिए इस तीज पर पति-पत्नी एक-दूसरे से वादा करें कि वे घर की सभी जिम्मेदारियों में बराबर का सहयोग देंगे। इस भागीदारी से रिश्ते में समानता के भाव पैदा होते हैं। दांपत्य जीवन सुखी रहता है।

नाराजगी नहीं, आपस में संवाद बनाएं: मतभेद और नोक-झोंक हर रिश्ते में होती है। किसी फैसले या बात पर पति-पत्नी हर बार सहमत ही हों, जरूरी नहीं। ऐसे में कई बार थोड़े समय के लिए बातचीत बंद हो जाती है। समय के साथ यह नाराजगी खत्म हो जाती है। लेकिन समस्या तब आती है, जब नाराजगी जाहिर करने के बजाय मन में रखी जाती है, इससे धीरे-धीरे दूरियां बनती हैं। ऐसे में नाराजगी नहीं, संवादों को जगह देनी चाहिए।



कोशिश हो, किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया शांत मन से दें। तो इस तीज पर आप संकल्प करें कि अपने दांपत्य जीवन में संवाद बनाकर रखेंगे। **एक-दूसरे को देंगे समय**: एक ही घर में साथ रहना और एक-दूसरे को समय देना, ये दोनों ही बातें बिल्कुल अलग हैं। सोशल मीडिया और फोन का बढ़ता इस्तेमाल पति-पत्नी के बीच एक खामोशी बना देता है। एक घर में साथ रहते हुए भी दोनों अपने-अपने मोबाइल फोन में लगे रहते हैं, एक-दूसरे से बात नहीं करते। ऐसे में आप संकल्प लें कि जब आपके समय मिले एक-दूसरे से बात जरूर करेंगे। कोशिश रहे कि इस बातचीत के दौरान कोई ऐसी बात नहीं करेंगे, जो किसी विवाद को जन्म दे, तनाव दे। जब यह समय आपके अपने लिए है, तो

उसमें आप सिर्फ अपनी ही प्यार भरी बातें करें। **एक-दूसरे की पसंद को अहमियत देंगे**: देखा जाता है, शादी के बाद महिलाएं अपनी पसंद नहीं पति की पसंद को महत्व देती हैं। ये स्थिति उन्हें खुद को खो देना जैसा महसूस करवाती है। अगर पत्नी का कोई खास शौक है या किसी काम को करने से उसे खुशी मिलती है, तो पति को उसका साथ देना चाहिए। इसी तरह पत्नी को भी पति की खुशी के लिए उसका साथ देना चाहिए। **प्यार जताने के लिए किसी खास दिन का इंतजार नहीं**: दांपत्य रिश्ते में प्यार जताने के लिए किसी खास पल या मौके का मोहताज नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी हर पल छोटे-छोटे प्रयासों से प्यार के एहसास को बनाए रख सकते हैं। सुबह की चाय को टेबल पर रख देना या लंच टाइम का एक छोटा-सा मैसेज भी आपके दांपत्य रिश्ते में प्यार की गर्माहट को बनाए रख सकता है। तीज के दिन दंपती इस बात का संकल्प जरूर लें कि वे अपने प्यार का एहसास हमेशा बनाए रखेंगे। a



मेकअप
निधि गोयल

हरतालिका तीज पर आप खूबसूरत ट्रेडिशनल ड्रेस पहनती हैं, ज्वेलरी पहनती हैं और पूरा श्रंगार करती हैं। फिर भी अगर आपको अपना लुक अपीलिंग नहीं लग रहा तो आपको अपने मेकअप पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि आप फेस्टिव मेकअप के सभी स्टेप्स को पूरी तरह फॉलो करें, क्योंकि तभी आपका मेकअप परफेक्ट लुक देगा। आइए जानते हैं हरतालिका तीज के लिए मेकअप करने का स्टेप-बाय-स्टेप तरीका।

स्किन को करें हाइड्रेट: मेकअप करने से पहले जरूरी है कि चेहरे को अच्छे फेस वॉश से अच्छी तरह से साफ कर लें। इसके बाद स्किन टाइप को देखते हुए मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट

मेकअप करें ऐसे-दमके आपका रूप

रहेगी और मेकअप के बाद पैची नजर नहीं आएगी। इसके बाद प्राइमर लगाएं, जिससे मेकअप लंबे समय तक टिकेगा। **नेचुरल बेस बनाएं**: इसके लिए आप फाउंडेशन की बहुत ज्यादा लेयर नहीं लगाकर हल्का सा नेचुरल लुक देते हुए लगाएं। फाउंडेशन का इस्तेमाल आपको स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए करें। इसके बाद डार्क सर्कलस, दाग-धब्बों या पिंपल मार्क्स को छिपाने के लिए कंसीलर लगाएं। साथ ही हल्के हाथों से कॉन्फिग्ट या सेटिंग पावडर लगाकर बेस को सेट करें। आपको यह भी ध्यान रखना है कि फाउंडेशन



का कलर आपकी गर्दन और चेहरे से अलग नजर नहीं आए। हमेशा इस बात को याद रखें कि सही शेड का चुनाव आपके मेकअप को ज्यादा नेचुरल बनाएगा। **आई मेकअप**: आपको जो भी ट्रेडिशनल ड्रेस पहननी है, उसके अनुसार आईशेडो को चुनें। सबसे पहले आंखों पर न्यूड या लाइट ब्राउन बेस लगाएं। इसके बाद शिमरी या मैट आई-शेडो लगाकर आंखों को फेस्टिव टच दें। **ब्लश**: मेकअप में ब्लशर यूज करने से चेहरा ताजगी भरा दिखता है। पीच, रोज पंक या सॉफ्ट बेरी शेड के ब्लश, तीज के लुक के लिए अच्छे ऑप्शन हो सकते हैं। ब्लश को

जब आप लगाएं तो ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा न लगाएं। ब्लश को सही तरह से लगाकर गालों को नेचुरल लुक दें। **हाईलाइटर**: ब्लश लगाने के बाद आप मेकअप को हाईलाइटर से ग्लोइंग बना सकती हैं। गालों के ऊपरी हिस्से, नाक की ब्रिज, आईब्रो बोन और क्यूपिड्स बो पर हल्का हाईलाइटर लगाएं। लेकिन बहुत ज्यादा हाईलाइटर करने से बचें क्योंकि फिर मेकअप नेचुरल नजर नहीं आएगा। **लिपस्टिक का सही शेड चुनें**: फेस्टिवल पर लिपस्टिक थोड़ी ब्राइट शेड वाली सुंदर लगती है। ऐसे में आप मैरून, रेड, डार्क पंक आदि कलर की लिपस्टिक को होंठों पर लगा सकती हैं। अगर आपको मेकअप हेवी रखना है तो ऐसे में लिपस्टिक के लाइट शेड्स पंक, पीच और सॉफ्ट पंक कलर चुनें, जो आपके चेहरे को अट्रैक्टिव लुक देंगे। a

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)



दांपत्य
डॉ. मोनिका शर्मा

उत्सवी उल्लास रिश्तों को नया जीवन देता है। हरतालिका तीज जैसे पर्व, जीवन में साझेपन का स्मरण करवाते हैं। रीति-रिवाज की इस रौनक के बीच वैवाहिक जीवन की दिशा और दशा की सच्चाई का निरीक्षण भी आवश्यक है। आस्था के भाव से अपने साथी की कुशल कामना चाहने के साथ ही व्यावहारिक धरातल पर भी अपने रिश्ते को समझने के प्रयास जरूरी हैं। चिंतनीय है कि हमारे समाज में सात जन्मों का बंधन मानी जाने वाली शादियों में बिखराव के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्चुअल दुनिया से लेकर असली संसार तक साथ, स्नेह से जुड़े रिवाजों की रौनक तो खूब दिखती है, लेकिन पति-पत्नी के गठजोड़ से कुछ रीत रहा है। कुछ बातों पर ध्यान देते हुए एक-दूजे के मन का हरापन बनाए रखें। **प्राइवसी के नाम पर न बढ़ाएं दूरियां**: डिजिटल लाइफस्टाइल ने इस प्यारी-सी पार्टनरशिप में प्राइवसी के नाम पर संघ लगा दी है। जिस रिश्ते में हर जन्मात और हर जिम्मेदारी का साझापन हो, उसमें कोई दुराव-छिपाव नहीं होना चाहिए। तकलीफदेह है कि पर्सनल स्पेस के नाम पर पति-पत्नी के बीच

इस नाए दौर में जब वैवाहिक रिश्ते दरक रहे हैं, ऐसे में हरतालिका तीज जैसे पर्वों की उपादेयता बढ़ जाती है। हमें इस पर्व की मूल भावना समझनी चाहिए। पति-पत्नी के बीच ऐसा प्रेम-समर्पण का भाव होना चाहिए, जो एक-दूजे का मन हरा-भरा रखे।

वैवाहिक जीवन में बना रहे मन का हरापन

यही हो रहा है। दोनों ही अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त दिखते हैं। कौन, किससे बात कर रहा है? किस मित्र ने क्या संदेश भेजा है? किस रिश्तेदार का फोन आया है? किस सगे-संबंधी, मित्र या पड़ोसी को शुभकामनाएं देनी है? जैसी बातें अपने-अपने जीवन का हिस्सा बनकर रह गई हैं। साफ देखा जा सकता है कि स्मार्टफोन ने निजता के नाम पर आपसी समझ और साझेदारी को कम किया है। दुःखद है कि यह बताव इस बंधन में भरोसे को कमजोर करता है। स्क्रौन के जरिए बने दुनियावी जुड़ाव में दोनों की अपनी-अपनी दुनिया बन जाती है। न कुछ कहना जरूरी लगता है, न ही सुनना। शेरारिंग न करने की यह आदत एक-दूसरे की केयरिंग से भी दूर कर देती है। इन दूरियों का अगला पड़ाव कमिटमेंट की कमी के रूप में सामने आता है। अध्ययन बताते हैं कि मैरिड लाइफ में लगभग 75 प्रतिशत मामलों में



आपसी कमिटमेंट की कमी अलगाव की बड़ी वजह बनती है। इसीलिए उत्सवीय रौनक के बीच कुशलकामना का आशीर्ष मांगते हुए जीवन में साझेपन को बनाए रखने के भी प्रयास कीजिए। **न हो उपेक्षा का भाव**: हमारे देश में शादियों के टूटने के आंकड़े कम हैं। सामाजिक-पारिवारिक कारणों से अलग होने का रास्ता चुनना आसान नहीं होता। यही वजह है कि भारतीय समाज में अलगाव के मामले ज्यादा

विशेष लोगों की विशेष चाय

Leaf & Dust

कैमल

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें

Mobile: 9285163700, Email: gdc.indore@gmail.com



क्वार्टर फाइनल में सबालेंका और अल्काराज

यूएस ओपन में गत चैंपियंस का जलवा

एजेसी »» न्यूयॉर्क

गत चैंपियन एरिना सबालेंका और कार्लोस अल्काराज अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष रैंक वाली सबालेंका ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से हराया। वहीं अल्काराज ने टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से मात दी। अब सबालेंका का सामना विम्बलडन विजेता लिंडा नोस्कोवा से होगा, जिन्होंने मार्ता कोस्तियुक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया। वहीं दाहिनी कलाई में चोट के कारण चार महीने में पहला टूर्नामेंट खेल रहे अल्काराज का सामना अब अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा, जिन्होंने स्टेफानोस सितसिपास को शिकस्त दी।

शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रमक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा।



नवारो ने हासिल किया क्वार्टर फाइनल का टिकट

अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्कया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्कया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रमक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्कया ने एक बार सर्विस बैक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्कया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

खबर संक्षेप



पैरा तीरंदाजी : फाइनल में सरिता अहमदाबाद। मौजूदा विश्व चैंपियन शीतल देवी ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज (तीसरा चरण) के तीसरे दिन सोमवार को महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। जम्मू की भुजाहीन तीरंदाज शीतल ने सरिता को 145-143 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब उनका सामना कजाखस्तान की ऐजादा सेदान से होगा। सरिता कांस्य पदक के मुकाबले में चीन की वांग हुइतिंग से खेलेंगी। कंपाउंड पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी तोमान कुमार को शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के केन स्वागुमिलांग ने 146-144 से हराया।

इंग्लैंड ने दिया पीटरसन को बड़ा जन्मा, बनाया मेंटोर



लंदन। पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीमों का विशेषज्ञ मेंटोर बनाया गया है। पीटरसन इस महीने के आखिर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे श्रृंखला में मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग स्टाफ में मार्कस ट्रेसकोथिक, टिम साउदी, जितन पटेल और सारा टेलर भी हैं। वह इस साल आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद के दौरों पर भी टीम के साथ होंगे। इसके बाद पाकिस्तान और इस्कीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं और विश्व कप में टीम के साथ रहेंगे।

महिला क्रिकेट

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा पर आईसीसी का तगड़ा एक्शन



एजेसी »» दुबई

भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को महिला एशिया कप के दौरान आउट करने के बाद ‘अपमानजनक इशारा’ करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शेफाली को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया।

फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच

के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है, जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों।

दो साल में सना का दूसरा अपराध

इसके अलावा फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमैरिट अंक और जोड़ा गया है क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनका दूसरा अपराध है। इसके साथ ही एक साल के भीतर उनके डिमैरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। फातिमा को इससे पहले छह अगस्त 2025 को डबलिन में आयर्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मैच के दौरान एक डिमैरिट अंक मिला था।

सना ने स्वीकारा अपराध

फातिमा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी के मैच रेफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल की सुप्रिया रानी दास प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर निमाली परेरा और शथिरा जाकिर जेसी, तीसरी अंपायर रोकैया सुल्ताना और चौथे अंपायर रबाब अहसन ने उनके खिलाफ आरोप लगाया था। लेवल-एक के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमैरिट अंक है।

दलीप ट्रॉफी

ईशान ने 270 रन के स्कोर के साथ आठवां सर्वोच्च निजी स्कोर बनाया

एजेसी »» चेन्नई

साउथ जोन के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल मैच में कप्तान ईशान किशन ने 270 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर ईस्ट जोन का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन तिहरा शतक बनाने से चूक गए। लेकिन साउथ जोन के खिलाफ उन्होंने कमाल की पारी खेली और सर्वोच्च निजी स्कोर के मामले में खास उपलब्धि हासिल की। इशान किशन 270 रन के स्कोर पर छक्का लगाने की कोशिश में आउट हुए। त्रिपूर्ण विजय की गेंद पर बाउंड्री के पास आर स्मरण के हाथों लपके गए। इशान किशन ने 334 गेंद का सामना किया और 30 चौके व सात छक्के लगाए। उनके तिहरे शतक से ईस्ट जोन की पहली पारी 708 रन के स्कोर पर समाप्त हुई। इस पारी में ईस्ट जोन ने कुल 163 ओवरों का सामना किया।

250 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए ईशान

इशान 250 रन बनाने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए। वे सातवां विकेट गिरने के बाद फिर से बैटिंग को आए। इसके बाद उन्होंने 20 रन जोड़े। इशान के पास तब मौका था कि वे तिहरा शतक लगाते और शायद इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च निजी स्कोर का रिकॉर्ड भी बनाते। ईशान के लिए इसके लिए कोशिश भी की लेकिन सफलता नहीं मिली। वे पहले दिन के खेल में जब बैटिंग के लिए आए थे तब ईस्ट जोन का स्कोर तीन विकेट पर 147 रन था। उन्होंने फिर एक छोर थाम लिया और बाकी बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम को पहाड़ से स्कोर तक पहुंचा दिया। उन्हें शिखर मोहन (85), कुमार कुशाग्र (101), अनुकूल रॉय (45) और मोहम्मद कुनैन कुरैशी (40) का अच्छा साथ मिला।

700 रनों के पार ईस्ट जोन ईशान ने टोका दोहरा शतक



सर्वोच्च फस्ट क्लास स्कोर से चूके ईशान

ईशान फर्स्ट क्लास में अपना सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ने से भी महज तीन रन पीछे रह गए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 273 रन का स्कोर बना रखा है, जो 2016 में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के खिलाफ बनाया था। तब उन्होंने 336 गेंद में 21 चौकों व 14 छक्कों से सजी पारी खेली थी।



ईशान और कुमार की 230 रनों की साझेदारी

ईशान किशन ने कुमार कुशाग्र के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 230 रनों की साझेदारी निभाई। कुशाग्र भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने शतकीय पारी खेली। कुशाग्र ने 132 गेंदों का सामना करते हुए 101 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके और 5 छक्के लगाए।

साउथ जोन के त्रिपुरण विजय झटके 4 विकेट

साउथ जोन के लिए त्रिपुरण विजय ने कुल 42 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 180 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल ने 2-2 विकेट हासिल किए। शेख रशीद को 1 सफलता हाथ लगी।

जूनियर डेविस कप खेलेंगे रिभाव, हृतिक और तविशा

एजेसी »» नई दिल्ली

भारत के शीर्ष अंडर-16 खिलाड़ी रिभाव सरोहा मिश्र की राजधानी काहिरा में 2 से 8 नवंबर तक होने वाले जूनियर डेविस कप ‘फाइनल्स’ में भारतीय टीम की अनुआई करेंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने सोमवार को टीम की घोषणा की, जिसमें रिभाव के अलावा हृतिक कटकम और तविश पाहवा को भी शामिल



किया गया है। भारतीय टीम इस प्रतिष्ठित

प्रतिযোগिता में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चेकिया, मिश्र, स्पेन, फ्रांस, हंगरी, इटली, जापान, कजाखस्तान, मोरक्को, सर्बिया, अमेरिका और वेनेजुएला जैसी दुनिया की शीर्ष टीमों से मुकाबला करेगी। केएसएलटीए से जुड़े राणा बरजी टीम के कोच होंगे। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम ‘फाइनल्स’ में अपनी जगह पक्की करने में सफल रही। अब वह टीम के साथ काहिरा की यात्रा करेगी।

टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं : पडिक्कल



एजेसी »» चेन्नई

भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और मौके भी सीमित मिलते हैं इसलिए कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल श्रीलंका के हालिया दौरे पर लगातार दो शतक लगाने के बावजूद किसी चीज को हल्के में नहीं ले रहे हैं। नंबर तीन पर नियमित बल्लेबाज साई सुदर्शन के पैर में चोट के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट

खेलने का मौका मिला और उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाकर इसका पूरा फायदा उठाया। पडिक्कल ने कहा, ‘इन दिनों आपको सीमित मौके मिलते हैं और टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मैं सिर्फ रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम को जीत में योगदान देना चाहता हूं। जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा मुझे यकीन है कि टीम में मेरी जगह बनी रहेगी।’

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने छह पेसर



एजेसी »» नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 सितंबर से शुरू होने जा रही तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका ने अपनी 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान टेबा बावुमा की टीम में वापसी हुई है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर और किंवटन डी कॉक भी इस टीम का हिस्सा हैं। साउथ अफ्रीकी टीम में गेराल्ड कोएजी की वापसी हुई है, जिन्होंने आखिरी बार वर्ल्ड कप 2023 में वनडे फॉर्मेट खेला था। वह

कमिसो रबाडा की जगह ले रहे हैं जो वनडे सीरीज से बाहर हैं और हैमसटिंग की चोट के कारण टेस्ट मैचों के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे हैं।

साउथ अफ्रीकी वनडे स्वॉर्ड में 2 स्पिनर

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए छह पेसर टीम में चुने हैं। कोएल्रिजा के साथ ही मार्को यानसन, व्हेना मफाका, लुंगी एनगिडी, कॉर्बेन बॉश और ऑट्टोनैल बार्टन को जगह दी गई है। केशव महाराज और ब्रॉन फॉर्टइन के रूप में दो बाएं हाथ के स्पिनर को लिया गया है।

19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेल

छत्तीसगढ़ की ज्ञानेश्वरी का जापानी सरजमीं पर नया लक्ष्य

एजेसी »» नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ग्लासगो के अनुभवों के इस महीने होने वाले एशियाई खेलों में भुनाने के लिए तैयार हैं। छत्तीसगढ़ की 23 वर्षीय ज्ञानेश्वरी की नजर 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने पर है।

जुलाई में राष्ट्रमंडल खेलों में ज्ञानेश्वरी ने 53 किग्रा भार वर्ग में स्नेच और क्लीन एवं जर्क दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किग्रा भार (88 किग्रा स्नेच और 111 किग्रा क्लीन एवं जर्क) के साथ रजत पदक जीता था।



बेहतर करने की कोशिश करूंगी : ज्ञानेश्वरी

ज्ञानेश्वरी ने कहा, ‘तैयारी अच्छी चल रही है। मैं वहां अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं। राष्ट्रमंडल खेलों में मैंने 199 किग्रा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था और अब इसे बेहतर करने की कोशिश करूंगी।’ ज्ञानेश्वरी ने कहा, ‘हमें राष्ट्रमंडल खेलों के बाद ज्यादा समय नहीं मिला। हमें सिर्फ एक महीने का समय मिला। मैं स्नेच में सुधार करने की कोशिश करूंगी। अगर मैं स्नेच और क्लीन एवं जर्क दोनों में एक-एक किलोग्राम का सुधार कर पाती हूं तो यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि होगी। किसी भी खिलाड़ी के लिए अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत बड़ी बात होती है।’

पदक जीतने की होड़

एशियाई खेलों में हालांकि ज्ञानेश्वरी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। चीन, दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया जैसे भारोत्तोलन के पारंपरिक मजबूत देशों के खिलाड़ी भी पदक जीतने की होड़ में होंगे। एशियाई खेलों के बाद 53 किग्रा भार वर्ग में ज्ञानेश्वरी के लिए घरेलू स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। मौजूदा समय में 48-49 किग्रा वर्ग में हिस्सा ले रही ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू 53 किग्रा वर्ग में उतरने की तैयारी में हैं क्योंकि 2028 लॉस एंजलिस ओलंपिक में महिलाओं के लिए 53 किग्रा सबसे कम भार वर्ग होगा।



